RAJBIL26868/2016/1284525

वर्ष 1 अंक 5 मूल्य 20

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सामाजिक अभिरूचि का पर्याय

जयवर्द्धन

liverajsamand.com

हिन्दी मासिक पत्रिका

जनवरी 2018

पेज संख्या : 36 राजसमंद

प्रकाशन तिथि : माह की 1 से 15 तारीख

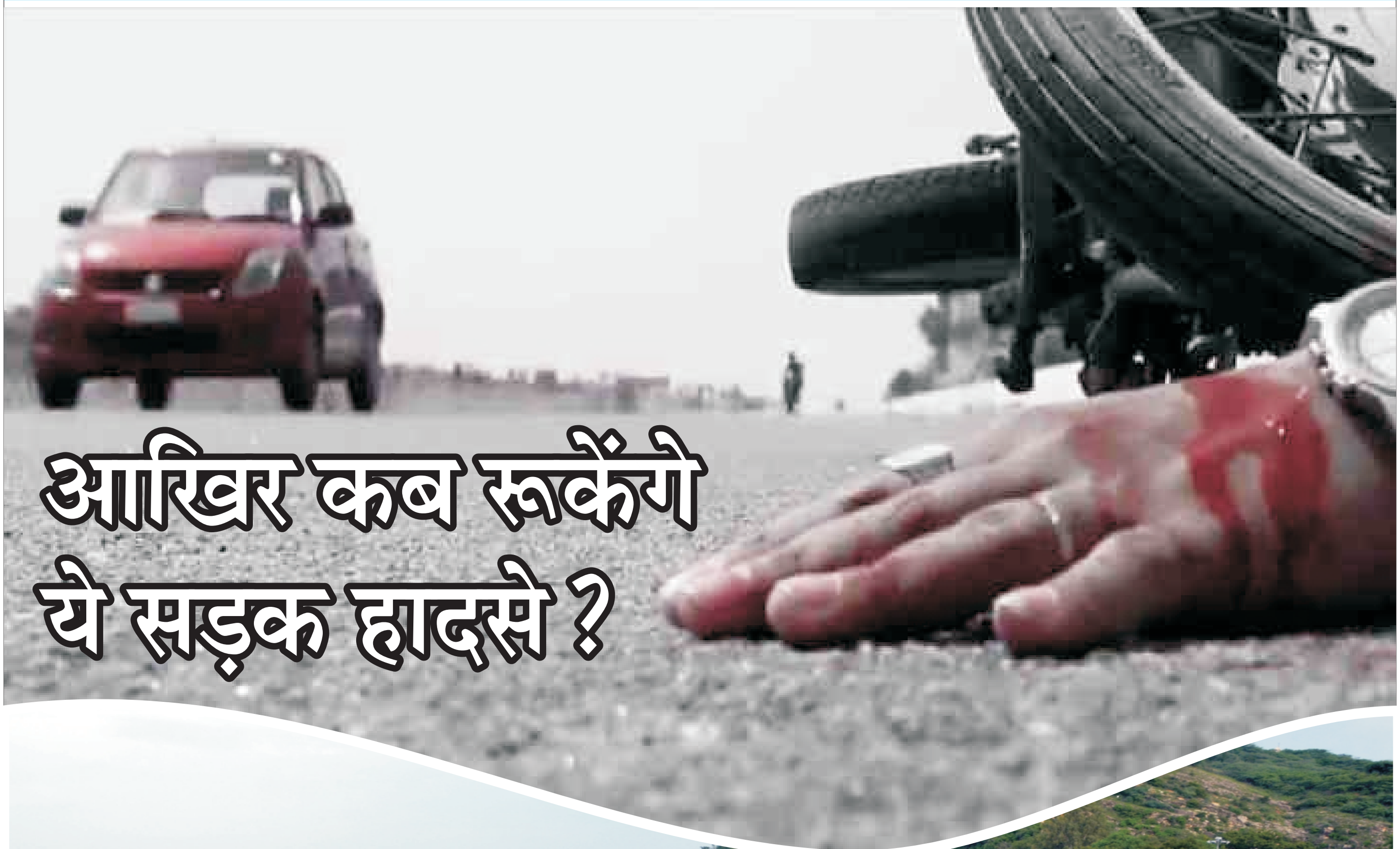

आखिर कब रूकेंगे ये सड़क हादसे ?

हुणो म्हूं राजसमन्द हूँ

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की समस्त
जिलेवासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
भरत पालीवाल
Mob. 9887438809
उप प्रधान- पंचायत समिति राजसमन्द

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
HONDA
The Power of Dreams
सच कर देंगे सपने
अब नया साल होगा, यादगार
घर ले जायें होंडा क्लिक मात्र
₹2100*
मात्र ₹1650* की
आकर्षक ईएमआई पर
बडे काम की
CLIQ
फाईनेन्स : फाईनेन्सर की शर्तो के अनुसार
EX-SHOWROOM PRICE
₹42981
Lavish Honda
Nathdwara Road, Kankroli Distt-Rajsamand
Ph: 02952-220555, 220777 M.: 9785301610
होंडा है HONDA

सम्पादकीय

तभी हेलमेट की सार्थकता

देश की बढ़ती जनसंख्या, बढ़ते साधन और इन्हीं के साथ बढ़ते सड़क हादसे। सरकार के सुरक्षा नियम, सुरक्षा उपाय और उनकी अनुपालना सभी के बीच एक बात हर शख्स के स्वभाव की आती है कि कौन कितना सजग और जागरुक है। दुर्घटना के परिणाम, कानून कायदे व सुरक्षा की नैतिकता तक सब कुछ जानते हुए भी अधिकांश लोग इसकी परवाह नहीं करते। क्योंकि हेलमेट पहनना, तय गति सीमा में वाहन चलाना तो किसी की प्राथमिकता है ही नहीं। शायद खुद से भी आत्मीय लगाव नहीं है। गांव–ढाणी का ग्रामीण से लेकर शहर के जेंटलमैन तक की यही स्थिति है। क्योंकि सरकार और उसके तमाम कार्मिक, अफसर, जनप्रतिनिधि भी सड़क हादसे के प्रति सक्रिय रूप से संवेदनशील नहीं है। सरकार के वाहवाह लूटने के बड़े बड़े प्रचार, दिखावटी प्रशासनिक सख्ती और बरसाती मेंढ़क की तरह पुलिस की जेबे काटती कार्यवाहियां तथा सरकार के थोंपे गए कानून के बीच जनता की ये गलतफहमी कि हेलमेट पहनना तो सिर्फ पुलिस के चालान से बचने का साधन मात्र है। यातायात पुलिस में 'सिंगम' की तरह सख्ती लागू हो जाए, तो न सिर्फ दुपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनने लग जाएंगे, बल्कि कानून की पालना भी होगी और दुर्घटना में बेवजह किसी की जान भी नहीं जाएगी।

सामाजिक अभिरूचि का पर्याय
जयवर्द्धन
website : liverajsamand.com

सम्पादक व प्रकाशक	ललिता राठौड़
प्रबंध निदेशक	विजय शर्मा
सह सम्पादक	हितेन्द्रसिंह चौहान
संवाददाता	नरपतसिंह राठौड़
	हीरालाल, भीम
ग्राफिक डिजाइन	महेन्द्रसिंह मोजावत
फोटोग्राफी	भरत पालीवाल
	(श्रीराम स्टूडियो, कांकरोली)

कार्यालय पता : C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली, जिला–राजसमंद, 9414239648, 9649813798
Email : jaivardhanpatrika@gmail.com

संपादक, प्रकाशक एवं स्वामी ललिता राठौड़ द्वारा राजसमंद से प्रकाशित एवं रमेशचंद्र आचार्य द्वारा आचार्य प्रिंटर्स हस्तिनापुर, कांकरोली, जिला राजसमंद राजस्थान से मुद्रित।

नोट : पुस्तक में प्रकाशित हर सामग्री में यथासंभव सावधानी रखी। फिर भी त्रुटियों के ध्यानाकर्षण के लिए धन्यवाद्। किसी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र राजसमंद होगा।

इस अंक में खास...

1. **कवर स्टोरी :** आखिर कब रूकेंगे ये सड़क हादसे ? पेज – 5
2. **म्हारे नगर रो इतिहास –** हुणो म्हूं राजसमंद हूं पेज – 8
3. **गणतंत्र दिवस विशेष :** बेपरवाह गण, लापरवाह तंत्र पेज –10
4. **तीखी मिर्ची :** गधे ने दिया हेलमेट का सबक पेज – 11
5. **स्वास्थ्य सलाह :** दिनचर्या बिगड़ने से खतरे में सेहत पेज – 12
6. **सामाजिक चुनौती :** क्यों घुल रहा साम्प्रदायिकता का जहर... पेज – 13
7. **कविता :** धाय छूट गई, वह छूक–छूक की आवाज पेज – 24
8. **अध्यात्म :** जीवन जीने के लिए ठहरना जरूरी पेज – 25
9. **राशिफल** पेज – 27
10. **कड़वा सच :** नए साल का पहला जाम पेज – 26
11. **पाठक प्रतिक्रया** पेज – 30
12. **मेवाड़ी चौपाल :** आज री गान्धारी पेज – 34

आवश्यकता
मार्केटिंग और रिपोर्टिंग कार्य के लिए
फुलटाइम/पार्ट टाइम ऊर्जावान युवकों की आवश्यकता
जयवर्द्धन मासिक पत्रिका सम्पर्क : 94142-39648

शक्ति होजरी हाऊस
चोरड़िया मार्केट के सामने, द्वारकेश मार्केट कांकरोली, जिला-राजसमंद (राज.)
स्कूल यूनिफॉर्म
के होलसेल व रिटेल विक्रेता
नन्दलाल तेली मो. 9460367158, 9602226759
अधिकृत विक्रेता : यार्डले, रूपा, लक्स बनियान & अन्डरवियर

उत्तम
इलेक्ट्रीकल्स एण्ड सेनेट्रीवेयर्स
उचित मूल्य पर इलेक्ट्रीक एवं सेनेट्री आईटम उपलब्ध
SSK Electrical Excellence
PRINCE
BONTON CABLES
ashirvad
Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS
Corsa BATH FITTINGS
पूर्णाशंकर बागोरा मो. 9950691936, 9414025471
जलचक्की रोड, कांकरोली, जिला-राजसमंद

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की समस्त
जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सुरेन्द्रसिंह राठौड़
विधायक-कुंभलगढ़
खुमसिंह बल्ला
समाज सेवी-गजपुर
खुमसिंह बल्ला, समाज सेवी-गजपुर, पं.स. कुंभलगढ़, जिला-राजसमन्द

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस
की समस्त जिलेवासियों
को हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं
सोहनलाल गुर्जर
चारभुजा मण्डल महामंत्री
सुरेन्द्रसिंह राठौड़
विधायक
सोहनलाल गुर्जर
चारभुजा (कुंभलगढ़), जिला-राजसमन्द

आखिर कब रूकेंगे ये सड़क हादसे ?

हाइवे व ग्रामीण सड़कों पर बढ़ रही दुर्घटनाएं : रोकथाम के उपाय कागजों में

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

दुर्घटनाएं कहीं भी, कभी भी घटित हो जाती हैं। बच्चे, बूढ़े, युवा, स्त्री पुरूष तक कोई भी चपेट में आ जाता है, लेकिन हर दुर्घटना के पीछे किसी न किसी की जल्दबाजी या लापरवाही जरूर ही सामने आती है। जल्दबाजी या रोमांच के चक्कर में अक्सर लोग यातायात के नियमों का उल्लंघन करते हैं और किसी तेज वाहन से टकरा कर अपनी जान गवां रहे हैं। साथ ही कई लोगों की जिन्दगी संकट में पड़ रही है। फिर भी पुलिस व प्रशासन द्वारा दुर्घटना रोकथाम के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। इसका खमियाजा आमजन को जिन्दगी देकर चुकाना पड़ रहा है।

सड़क दुर्घटना के इस हालात से लगभग हर शख्स वाकिफ भी है। फिर भी अक्सर हर वाहन चालक न सिर्फ यातायात नियमों को दरकिनार कर वाहन दौड़ा रहा है, बल्कि खुद के साथ ही अन्य लोगों की जिन्दगी भी मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। राजसमंद जिले में गोमती से उदयपुर व राजसमंद से भीलवाड़ा तक दो नए फोरलेन बनने के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी नहीं आई। पिछले दो से तीन वर्षों में इन दोनों ही फोरलेन पर जितनी भी दुर्घटनाएं हुई है। उनमें से ज्यादातर हादसों का कारण ओवरटेक, तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना या झपकी आना ही सामने आया। फिर भी कोई वाहन चालक दुर्घटना से बचाव को लेकर गंभीर नहीं है, जिसकी वजह से दिनोंदिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है।

ट्रैफिक बढ़ा, सावधानी घटी

हाइवे आठ पर गोमती से उदयपुर व राजसमंद से भीलवाड़ा मार्ग पर फोरलेन बनने के बाद यातायात वाहनों में काफी इजाफा हुआ है। अब चालक वाहन संचालन में सावधानी भी नहीं बरत रहे हैं, जिसकी वजह से हादसे बढ़ते जा रहे हैं। हाइवे व ग्रामीण सड़कों पर भी तेज रफ्तार से चलते ट्रक, बस, जीप से हर वक्त हादसे की आशंका रहती है।

गोमती-ब्यावर का अधूरा फोरलेन

हाइवे आठ पर गोमती से ब्यावर तक अधूरा फोरलेन अब हादसे का सबब बन गया है। पिछले चार वर्ष से कार्य अधूरा पड़ा होने से वाहन चालक हाइवे पर भ्रमित हो रहे हैं। फोरलेन के लिए कई जगह पुल का निर्माण शुरू कर दिया, तो कुछ जगह डामर भी बिछा दिया गया, लेकिन दोनों लेन का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया। जिले में जितनी भी सड़क दुर्घटनाएं हो रही है, उनमें ज्यादातर हादसे गोमती से ब्यावर तक ही हो रहे हैं। फिर भी न तो अधूरे फोरलेन का कार्य पूर्ण करने के लिए अब तक प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया गया है और न ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ही गंभीर है।

विकट मोड़ का नहीं निकला तोड़

राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर फोरलेन निर्माण के दौरान विकट मोड़ को खत्म करने के लिए कोई खास कारगर प्रयास नहीं किए गए। यही वजह है कि हाइवे पर फोरलेन बनने के बाद भी 38 जगहों पर हादसे का खतरा हर वक्त मंडरा रहा है। गोमती से उदयपुर का फोरलेन और गोमती से ब्यावर का थ्रीलेन भी हादसे रोकने में कारगर नहीं रहा।

नहीं पहनता कोई हेलमेट

न्यायालय की सख्ती के बावजूद जिला मुख्यालय राजसमंद के साथ ही नाथद्वारा, देवगढ़ व आमेट शहरी क्षेत्र तो क्या हाइवे पर भी कई दुपहिया वाहन चालक हेलमेट नहीं पहन रहे हैं। हेलमेट की अनिवार्यता के कानून की पालना को लेकर यातायात व थाना पुलिस द्वारा भी कोई नियमित कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस पर यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही है और हादसे में बाइक सवार की जानें जा रही है।

फाइलों में दब कर रह गए सड़क सुरक्षा के प्रशासनिक प्रयास

जिले में शहर व ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर खुलेआम यातायात नियमों को दरकिनार कर दुपहिया, तिपहिया एवं चौपहिया वाहन दौड़ रहे हैं, मगर सड़क सुरक्षा के उपाय महज कागजी खानापूर्ति बनकर रह गए हैं। यातायात पुलिस, थाना पुलिस से लेकर परिवहन विभाग द्वारा भी यातायात नियमों की पालना को लेकर सिर्फ सड़क सुरक्षा सप्ताह के अभाव कभी नियमित कार्रवाई नहीं की जाती। हालांकि पुलिस और परिवहन महकमे में नफरी का अभाव है, मगर कानून की पालना करवाना भी इनका ही दायित्व है।

ये है दुर्घटना संभावित स्थल

1 **राजनगर-कांकरोली थाना :** सनवाड़ से राजनगर अंडरपास क्रॉसिंग, पीपरड़ा चुंगी नाका, रामेश्वर महादेव पुलिया, बड़ारड़ा बस स्टैण्ड, जेके सर्कल, मोही रेलवे क्रासिंग, टीवीएस तिराहा।

2 **कुंवरिया थाना :** रूपाखेड़ा चौराहा, लापस्या हाइवे, मिंडावली चौराहा कुंवारिया।

3 **आमेट :** सरदारगढ़, सैलागुढ़ा, ढेलाणा, राजपुरा, सपराव का गुड़ा, आगरिया।

4 **चारभुजा :** देसुरी की नाल, मानसिंह का गुड़ा, गोमती, लाम्बोड़ी, भोपजी की भागल, धानीन।

5 **केलवा :** पसूंद बस स्टैंड, मोखमपुरा पेट्रोल पंप, केलवा थाने के पास फोरलेन क्रॉसिंग, मादड़ी बस स्टैंड, पड़ासली मोड़, मानसिंहजी का गुड़ा, धानीन घाटी।

6 **नाथद्वारा :** गुंजोल चौराहा, लालबाग, नाथद्वारा बस स्टैंड के ऊपर घुमावदार फोरलेन का एलिवेटेड रोड, नाथूवास घाटा, राबचा

7 **रेलमगरा :** चाम्पा खेड़ी, दरीबा, मोर्रा,

8 **देलवाड़ा :** नला, नेगड़िया, घोड़ाघाटी, देलवाड़ा, मजेरा।

9 **भीम :** आवलासारा घाटा, नंदावट, टोगी मोड़, फुतिया खेड़ा, पाटिया भीम, बरार, मल्याथड़ी, कुम्हार नाड़ा भीम, चालीस मील, जस्साखेड़ा, कुकरखेड़ा।

10 **देवगढ़ :** शक्करगढ़, सांगावास, डान की बावड़ी, बग्गड़, मियाला, आसन ठीकरवास, कामलीघाट, वीरमगुड़ा।

11 **दिवेर :** छापली घाटा, दिवेर नर्सरी मोड़, दराड़ा

दो फोरलेन बने, फिर भी दुर्घटनाएं नहीं घटी

राष्ट्रीय राजमार्ग आठ पर उदयपुर से गोमती तक एवं राजसमंद से भीलवाड़ा राजमार्ग पर फोरलेन का निर्माण होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी नहीं आना बड़ा चिंता का विषय बन गया है। फोरलेन बनते ही हाइवे पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार एकाएक बढ़ने से दुर्घटनाओं में भी दस फीसदी तक इजाफा हुआ, मगर इस बार पिछले दो वर्षों के मुकाबले सड़क हादसे काफी कम रहे, जो पुलिस व प्रशासन के लिए राहतभरी खबर है। हालांकि अब तक जो दुर्घटना संभावित स्थल है। उन जगहों पर सड़क दुर्घटना रोकथाम के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं हो पाए हैं, जिससे सड़क निर्माण अभियंताओं से लेकर पुलिस व प्रशासनिक दल की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है कि आखिर जिस जगह पर लगातार हादसे हो रहे हैं। उस दुर्घटना का अध्ययन कर स्थायी तौर से दुर्घटना रोकथाम के प्रयास क्यों नहीं किए जा रहे हैं।

देसूरी की नाल में नहीं थमे हादसे

चारभुजा थाना क्षेत्र में देसूरी की नाल में 7 सितंबर 2017 को सबसे बड़ा सड़क हादसा हुआ, जिसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। उसके बाद पुलिस, प्रशासन से लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग और हाइवे ऑथोरिटी द्वारा भी पंजाब मोड़ को तकनीकी

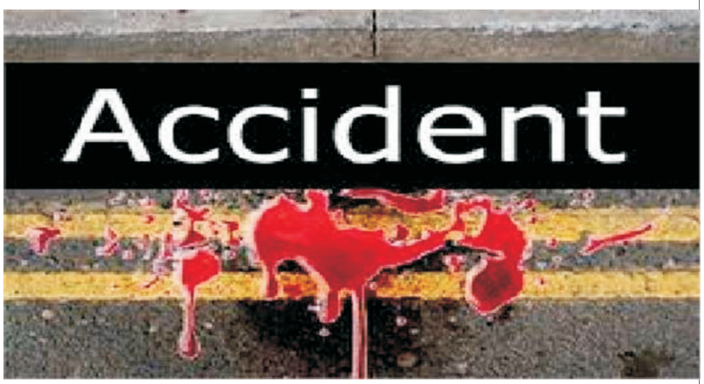

रूप से जानलेवा सिद्ध कर दिया। फिर भी उस मोड़ को तोड़ने के लिए अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं हुए। कथित तौर पर वन विभाग द्वारा सड़क बनाने की अनुमति नहीं दी, मगर इसके लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी गंभीरता से प्रयास नहीं किए। इसका खमियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।

सड़क दुर्घटनाओं की तुलनात्मक स्थिति

वर्ष	कुल दुर्घटनाएं	मृतक	घायल
2015	494	230	613
2016	540	271	661
2017	489	238	590

हुणो म्हूं राजसमन्द हूँ

मास्टर री नौकरी पूरी कर्‌या पछे म्हारा सरीखा मनख रै कनै लिखवा- पढ़वा रै अलावा दूजो कई काम धन्धों नी हो। सिरफ हंझावळी वेलां एरिगेसन पाळ पै घूमणो अर सरीखा गोठिडां रै लारे गपोड़ा हाँकवा रै सिवाय अर कोई भांझगड़ नी री। वी दनां रायसागर री संगमरमर री धोला भाटां सूं वणी अदब री छतरी अरं कमल बुरज री दो नामी-ठावी छतरियाँ म्हाँ साहितकार रै घूमवा- बैठवा री ठोड़ ही। वठे पाँच-पच्चीस बूढ़ा ठाड़ा अर प्रौढ़ भेळा वेवता, गोंठा छणती, अठी-वठी री खबरां हुणता-हुणावता, रात री आठ वजाई देता। ई वातां रै चटकारां में कदी कदेक वत्तो टेमई निकळ जावतो।

आज सूं बीस बरसत पेळां म्हां एक अदब री छतरी मित्तर मण्डल री थरपना भी करी, पाळ माथे नुवो- नुवो विकास ई वियो, कुरसिया बैठकां लागी, पाळ पाकी वी अर रोशनी रा लट्टू ई लाग्या। लोक अधिकार मंच रै मारफत ध्यान उपवन नाम सू अेक बगीचो वणायर दो मोटा भाटा रा दरवाजा लगवाय दीदा। ओ काम हेंग घूमवा वाळा लोगां री संगत सूं पार पड्‌या, बाकी म्हाँ की कई ताप के म्हाँ अतरो खरचो करी सकां।

वाँ दनां, पाळ ऊपरै इण्या- गिण्या मनख ही चेल-कदमी करता लादता। अँधारो पड़ताई चरकल्यां री चूं-चूं बोळयां री डाल्या पै हुणाई पड़ती, बाकी म्हाँ गोठ्या री चूँ चपट ही आवा-जावा वाळा रै कानां में हुणाई देती। उण दिनां कदेक म्हनै अकेलो ही आणो पड़तो। केतो अठे मांदा मनख चेल-कदमी करता मलता अर के फरोकड़ छोरा-छोरी आपणी मटर गस्ती में मस्त नजर आवता। कीनेई कई केवा रै टेम नी, आप रा हाल में घूमणो अर घरां परो जाणो। इमेइज भलाइ रै काम लागतो हो।

सावण में मेळा लागता, जिणमे आईनाथ रा मैळा री न्यान हेंग जात रा लोग लुगाई, टाबर चकरी- भँवरा खरीदता, चाट पकोड़ी अर पाणी पतासा रा चटकारा लेवता अर छोर्‌या लटकण फूंदा, चूड़ी-बल्या, कातरया मोलाती बेचण वाळा सूं मोल-तोल करती दीखती। मसखरा भीड़ में हड्ड मारता निकल जावता अर सिपाई वणां ने खाँक में डंडो गुमावता दीखता पण टोकवा रौ काम नी।

वी दन हवा चालीरी। म्हूँ म्हारी मस्ती में अकेलो पीण्यो भीड़ सूं कन्नी काट र अदब री छतरी सूं घूमर आईर्‌यो हो। राडाजी री छतरी रै आगे री रेलिंग रां छेंदा सूं वायरो यान निकलर्‌यो हो जाणे कोई सीट्‌या मार र्‌यो व्हे। कठेक तो म्हनै लागो के कोई अलगोजा अर बाँसरी पे गाई र्‌या वेई। रूंखा री नरम- नरम डाल्यां आपस में रगड़ाय र जाणे सारंगी बजाय री व्हे। म्हूँ थोड़ो रूक्यो तो म्हनै लागो जाणे कोई म्हारे सूं बात करणो चावे रीयो है।

म्हे मन ही मन कुरलायो कुण वेई ? म्हनै लागो के कोई बोलणो चावे तो रूकेरे फेरूं पूछ्‌यो थूं कुण है अर कई केणो छावै। वो बोल्यो रै साहितकार मानवी थूं तो चेतन है, पण म्हे भी जड़ नी हूं। सारा जगत रा जीव म्हारे सूं ही जनम पावे है। हुण सके तो हुण रे कवि, म्हारा मनड़े री हूक। इतरा सबद हुण र म्हे वणी री वात ने हुणवा लागो अर वो जाणे केतो रीयो। दस पन्दरे मिनट म्हूँ अकेलो ठोड़ रूके र हुणतो र्‌यो अर राजसमन्द म्हाँ सू वात करतो रीयो। हुण संवेदी साहितकार। थू अर म्हूँ दोई जणा पाणी सूं वण्या हिवड़े रा भावुक लोग हाँ। म्हूँ अबार जड़ मान्यो जाऊं, पण हूं चेतन। म्हारो दुखड़ो अठारा लोग नी जाणे। भाटा रा व्यवसायी भाटा जेड़ा कठोर मनड़े रा होई ग्या अर वारी लार लागोड़ा लोग भी भाटा सूं करड़ा हिवड़े रा वणी ग्या है। म्हारो जनम संवत सतरे सौ अठारे में मेवाड़ महाराणा राजसिंघ जी रै हाथा वीयो। वां दनां अठे मेव या मेर जाति रा रावत रैवता हा, ज्यारी खाखावत गोत ही।

वणा ने दरबार रेवाने डोळी (जमीन) देय र बसाया। जीसूं ओ गांव (खाखाडोली) केवावतो हो। अर मेर सूं मेरवाड़ो, मेव सूं मेवाड़ वाज्यो। गोमती अर तालेड़ी नदी दोई बेना ही। ये आज रा खटीकवाड़ा राजनगर रै पास सूं आगे मलती नौचोकी री जगा राणाजी गोमती नै बाँधे र म्हनै ओ सरूप दियो है, जो आज म्हूँ कदीक छलकूं अर कदीक खाली पड़ियो पूरबला दनां पै आसूं ढलकाय रीयो हूं। पेलां म्हारा ऊपर रा चादरी नाळा सूं लोगां रा खेत पीवता हा, पण सो बरस पेला जल चक्की वाळी नेर वणाय र अर आजादी रै पछे बाँयी नेर खुदवाय र म्हारो हेंग खून खां लोभी राजनेता अर करसाणां चूंस लीदो है। म्हारी पूरी भरावरी अणां कोसीस ई नी कीदी। अँगरेजी राज में म्हारे पाणी में हवा गाड़ी उतरती, पाणी मोती जेड़ो धोलो फट चमचमावतो, मगर काछबा अर माछल्यां किलोलां करती, जल मुरगा तैरता, गोत लगावता अर दूरां- दूरां रा देसा सूं सान्ति रौ सनेसो लेय र ठाड़ में हंस अर सारस

अठे आय र कूंजता देख्या हा। रे कवि थूं भी तो म्हारी अथाह जल राशि में घणो तर्‌यो है। सीमाड़े तक लोग मां में तैरता हा। कमल बुरज री चादरां चालती, गोठा छणाती अर लोग दूर दूर सूं आय र ओ नजारों देख र राजी वेवता हा।

थने ठा हेक नी, इबे म्हूं झील नी हूँ।

जिलो वणी ग्यो हूँ। लोगां म्हारे नाम पै विकास री छाप लगाय र 10 अप्रैल 1991 में म्हनै 9 तेसीला अर 7 उपखंडा रौ तोहफो देयर राजसमंद, रेलमगरा, खमनोर, कुंभलगढ़, आमेट, देवगढ़, भीम नाम सूं जाणावा लागा है। 8 नंबर रो देसरो मोटो हाईवे म्हारे अठा सूं गुजर र्‌यो है, रेल, बसां रौ आबो अठे वेवे जीसू पूरा भारत रा मनख जेके फेक्ट्री, दरीबा अर संगमरमरी खदाना में धंधो करबा लागा हैं। सड़का बणी, बिजली री झगमगावट गाम–गाम, ढ़ाणी–ढ़ाणी वेईगी, पाणी रा नळ ई लागा पण नी जाणे ऐ लोग, म्हारों रूतबो नी बढ़ाई सक्या। कतराई चुणाव आया, वादा कीदा पण कस्यो वादा ने पूरा नी कर पायो। अरावली रा मगरा हेंग टाटला व्हेई ग्या, खाना खोदर म्हारी पानी री नसा ने रोकी दीदी। भाटा कचरा सूं म्हारी जोड़ायत गोमती री छाती भरी दीदी अर वीं ऊपरे अण चाया बन्धा वणाय म्हनै तरस्यों राखवारों कबाड़ो अणां लोगों करी दीदो। म्हारा जनम रे पैला अठे सोले गाम म्हारे तीरां पे बसाया। तीस बावड्या पुरायगी अर संवत 1693 में एक बामणी अठे सती व्ही जिणरो चबूतरो आलतांई म्हारे मांही कायम हैं। वा देवली गांव री ही, जिणरे भाई पूतली अर छतरी वणवाई। नौ चौकी रा नौ–नौ पगल्या अन चोघटा, तीन तोरण व तीन छतरयां में कोरी गी चित्तर सारी आबूरा जैनी देलवाड़ा रा मन्दर जस्या रूपाली कला में हैं। अठे भाटा ऊपरे खुद्‌योडो 25 सर्गा रो राजप्रशस्ति सिलालेख पूरा एशिया में नामी हैं। म्हारे अठे चारभुजा, श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीशजी अर परसराम महादेव जस्या चारधाम अर जरगा री सबसू ऊंची चोटी कायम हैं। म्हारे तीर पे आदिनाथ रो साधना शिखर, पुराणों किलो, मामा भाणेज दरगाह अर प्रभु द्वारकाधीशजी रो थानक वण्यो थको हैं। मगरी री खोह में नौ चौकी ऊपर घेवर माता, किला पे अन्नापूरणा, ढाल में मंशापूर्ण गणपति दरबार थरप्या मन्दर हैं।

पण लेखणिया अतरो हेतां थका भी मनखा में मनख पण रौ विकास नी वेईरया हैं जीरो कारण म्हारे हमझ सूं बारे हैं। कई थूं म्हने समझाई सके। सफाई अर परीयावरण री अतरी अलख जगातांई, हवापाणी, धरती जंगल जेरीला वेता जायरीया हैं। जीरो उपाय किन रै कने हैं। थूं वताई सके ? गौधन सड़का पे भमे, भण्या पढ्या अर समझू री समझ कठे गमगी ? कई म्हारी आवाली नुवी सन्ताना रौ जीवणों कबको नी व्हे जाई ? अणां वातां रौ नरणो थूं दे सके तो दे, नी तो थारा सूं भी म्हनै वाता करवा रो अर पीड़ा सुणाव रौ कोई लाभ नी। अतरौ सुण र म्हू भौचक्को व्हे अठी–वठी झांकवा लागो पण म्हनै कोई नजर नी आयो। अेक घड़ी तांई म्हारी सोच में हल्दीघाटी में राणा प्रताप रा बलिदान री गाथा अर दिवेर में अमरसिंह रो मुगल सेनापति री छाती में मारयो भालो घूमतो रयो। रूखमगढ़ रा छापर में टांत्या रो युद्ध अर विजैसिंघ पथिक रो करसाणा रे हित में वण्यो परजा मंडल रो कारनामा दरसाव सिनेमा री न्यान आंखां आगे घूमवा लागो। म्हे सोचतो–सोचतो अपने सूं पूछ बैठो, कई वस्या मनख अबे नी रीया, जणां जनता रै सुख खातर बलिदान कर दिया, जेला भोगी ? अतराक में घरा आ पूगो। रात भर नींद में राजसमंद री वाता सुपना में घुलती री अर आगले परभात नुवी सूरज री किरण सूं ओस री न्यान म्हारी यादां झुंझलाय गी म्हूं नित री नींया आपणे काम में लागी ग्यौ।

आ है राजसमंद री पाळ

आ है राजसमंद री पाळ, गजवण धमक चाल मत चाल।
जोबनिया रै झोले, सागर लहरां खाय ऊंछाल।।
नौचौक्यां री गिरि गुफा में, बैठी घेवर माता ए।
किला पुराणा अन्नपूर्णा, गणपत गेले जाता ए।।
ढालु नौचौक्यां री ढाल, रहवे रेगर, मियाँ, कलाल
चौक हुसैनी पीर धोक जे, घायल शाह कमाल।। आ...

आदिनाथ रौ बण्यौ देवरो, शिखर साधना माळो ए।
अणुव्रत विश्व भारती जैनी, मोहनभाई वाळो ए।।
वैग्या नामी शाह दयाल, राणा राय सिंघ भूपाल
पड़ियो जाण अकाल बंधायो राय समन्दर ताळ।। आ...

पच्छम राजनगर री बस्ती, पूरब खांखाडोली ए।
उत्तर मंडावर लवाणा, भाणा छापरखेड़ी ए।
मोरचणा पसूंद–तासोल, वागडोला गुडली बाँसोल।
कमल बुरज री चादर चाली, झटपट देखण चाल।। आ..

गऊघाट, राडाजी री छतरी, बण्यौ बगीचो सुन्दर ए।
अदब री छतरी ध्यान उपवन आगे भैरू रौ मन्दर ए।।
बालक नर नारी अर ज्वान, घूमे छणता रै पकवान,
जल फव्वारो रंग रंगीलो, हरियो नीलो लाल।। आ...

सेवाली सनवाड़ धोइंदा, मंडा जावद रा गाँवा
वीरभाणजी रा खेड़ा, आसोट्या कोयड़ अर भावा
जेके, संगमरमर खादान, खेतां लहरे हरियो धान
करसाणा रा कोठ्या भरिया, वेग्या मालामाला।। आ...

बंगलो लाल आँबाजी रौ बंगलो, अर जलघरिया घाट ए।
प्रभु द्वारकाधीश बिराजे, हो रीया नित नुवा ठाठ ए।।
करिया पंडत पूजा पाठ, दरसण होवे दन रा आठ,
किरतन करिया कवि अनोखा, बाजरिया झप ताळ।। आ...

फतहलाल गुर्जर 'अनोखा'
वरिष्ठ साहित्यकार व इतिहासकार
कांकरोली

बेपरवाह ‘गण’, लापरवाह ‘तंत्र’

शर्मसार होते संविधान के मायने

केस 1

राजसमंद के एक पार्षद ने यातायात नियमों को दरकिनार किया। पुलिस ने कार्रवाई का प्रयास किया, तो पार्षद नेतागिरी पर उतर आया और सारे कानून कायदों के विरुद्ध अपनी पहुंच बताने लग गया।

केस 2

राजसमंद, नाथद्वारा व भीम में हाल गत माह विक्षप्ति मासूम छात्राओं के साथ दुष्कर्म के प्रकरणों ने स्त्री सम्मान के दायित्व एवं कृतव्यों की पोल खोल दी। इससे तंत्र ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज शर्मसार हो गया।

केस 3

जिले में सैकड़ों लोग बेघर है, जो शहर की सड़कों, फुटपाथ या तंबू के नीचे रहकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। तंत्र ने सर्दी व बारिश से बचाव के लिए कुछेक जगह सार्वजनिक रेन बसेरा बना दिए, मगर स्थायी आवास के कोई प्रबंध नहीं है। आजादी के अर्से बाद भी कई लोग भीख मांगकर पेट पालने को मजबूर हैं।

राजसमंद. जनता की सरकार है, हर फैसला हमारा है। फिर भी मन में एक टीस है। एक असुरक्षा की भावना है, न जाने क्यों आज हम आजाद होकर भी आजाद नहीं है। सब कुछ पाने के बावजूद भी कुछ पाने की कमी महसूस कर रहे हैं। आज हम अपनी इस कुंठा को कभी राजनीतिज्ञों पर भ्रष्टाचार के रूप में तो कभी देश के कानून में खामियों के रूप में अभिव्यक्त करते हैं। जब संविधान लागू हुआ, तब से 6 2 सालों में जो हमने सोचा, जिस सोच से आगे बढ़े थे। वो सोच पीछे रह गई है। इसके लिए लापरवाह तंत्र है, उससे कई ज्यादा गण बेपरवाह है। जिले में कुछ ऐसे वाकये सामने आए, जिससे संविधान के मायने भी धरे रह गए और गण-तंत्र भी शर्मसार।

गणतंत्र का इतिहास

प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 26 जनवरी 1950 को 21 तोपों की सलामी के बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराकर गणतंत्र की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासन से छुटकारा पाने के 8 94 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष राष्ट्रभर में बड़े गर्व और हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। लगभग 2 दशक पुरानी यह यात्रा थी जिसे सन् 1930 में एक सपने के रूप में संकल्पित किया गया था और हमारे भारत के शूरवीर क्रांतिकारियों ने सन् 1950 में इसे एक स्वतंत्रता के रूप में साकार किया। हालांकि भारत 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बन चुका था, लेकिन इस स्वतंत्रता

गण और तंत्र में बिखराव

आज हर व्यक्ति स्वतंत्र है, फिर भी दबाव कायम है। जनता की सरकार है, लेकिन जनप्रतिनिधि तक ही सीमित। न जाने क्यों आज हम आजाद होकर भी आजद नहीं है। सब कुछ है, फिर भी काफी कमी महसूस कर रहे हैं। आज गण अब तंत्र से अलग हो चुका है और बिखराव आ गया। गण व तंत्र की यह सच्चाई जिले के प्रबुद्धजनों ने कुछ इस तरह अभिव्यक्ति की है।

नहीं हुई उद्देश्य की पूर्ति

वर्तमान में गणतंत्र के पूर्ण रूप से मायने नहीं रह गए हैं। 1950 में जिस मकसद से संविधान लागू हुआ था, उस अनुरुप उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो पा रही है। महंगाई, भ्रष्टाचार ही ताजा विखण्डता है, जो हमारे देश की कानून व्यवस्था को दीमक की तरह चाट रही है। आज हम जो करना चाहते हैं वो हम कर नहीं पा रहे हैं और जो हमें नहीं करना चाहिए, जो हम कर रहे हैं। गणतंत्र का जश्न भी सिर्फ स्कूलों तक सिमटकर रह गया है।

देवेन्द्रसिंह राठौड़, एडवोकेट राजसमंद

कानून बेहतर, पालना नहीं

हमारे देश में बेहतर कानून तो है लेकिन उसका सही ढंग से पालन नहीं हो पा रहा है। कितने ही कानून बना दीजिए। यदि उसका सही ढंग से पालन नहीं होगा तो वो कानून अनुपयोगी होगा। आज हर कोई पूर्ण रूप से कानून का पालन नहीं करते हैं। कभी राजनीतिक स्वार्थ के कारण तो कभी व्यक्तिगत स्वार्थ की वजह से कानून तोड़ रहे हैं।

पं. उमेश द्विवेदी, ज्योतिषविद् कसार

गणतंत्र समारोह तक सीमित

जनता का राष्ट्र प्रेम घट गया है और शिक्षा का स्तर भी ठीक नहीं। राष्ट्र, राज्य, जिला या समाज के प्रति कोई दायित्व नहीं समझता। यही वजह है कि आज गणतंत्र दिवस का जश्न भी समारोह तक सीमित रह गया।

डॉ. राकेश तैलंग, शिक्षाविद् राजसमंद

तीखी मिर्ची

जब गधे ने दिया सबक

विजय शर्मा @ राजसमंद
liverajsamand.com

एक वरिष्ठ नेताजी के जन्मदिन का आयोजन हो रहा था। वैसे नेताजी जब सत्ता में होते हैं तभी जन्मदिन मनाया जाता हैं। सत्ता से उतरते ही सभी चमचे भी गधे के सिर के सिंग की तरह गायब हो जाते हैं। इस आयोजन में हमारे मोहल्ले के नेता कानूलाल अपनी मोटरसाइकिल पर दो चमचों को बिठा कर जा रहे थे। नेता और नियमों के अनुसार चले तो वो कौनसा नेता। न तो तीन सवारी बिठाने का डर और न ही हेलमेट पहनने की जरूरत। अनजाने में चार बत्ती चौराहे पर खाऊमल पुलिस वाले ने उनकी गाड़ी रूकवा दी। पुलिस वाले तो इसी मौके की तलाश में होते हैं। तीन सवारी और बिना हेलमेट के सवार तो उन्हें पके हुए आम की तरह दिखते हैं। बाइक रूकवाते ही तुरन्त पैसे मांग लिए, नहीं तो चालान बनाने की धमकी दे डाली। अब नेताजी की तो बीच चौराहे फजीहत हो गई। नेताजी ने तुरन्त स्थानीय बड़े नेता से पुलिस वाले की बात कराकर चार पांच बातें सुनवा दी। बिचारा पुलिस वाला नोट खाने के चक्कर में था और मुंह की खानी पड़ गई। अब नेताजी तो अपने कपड़ों में नहीं समा रहे थे। क्योंकि चमचों के सामने रोब झाड़ने का मौका जो मिल गया। अभी आगे चले ही थे कि एक गधा अपनी मस्ती में रोड क्रॉस कर रहा था। वैसे गधे हमेशा गलत काम के लिए बदनाम होते हैं, मगर कभी सही काम भी कर लेते हैं, जो काम पुलिस वाला नहीं कर सका गधे ने कर दिखाया। चलते हुए नेताजी की गाड़ी से जा भिड़ा। बिचारे नेताजी की नई की नई ड्रेस जिस पर आयोजन में गुलाल लगनी थी, वो मिट्टी से सन गई। चमचे तो चतुर थे चलती गाड़ी से कूद गए, मगर नेताजी के हाथ टूटने से गले में माला की जगह कपड़े की पट्टी बांधनी पड़ गई। अस्पताल में नेताजी का हाल पूछने वालों का तांता लग गया। किसी ने टूटी सड़क को दोष दिया, तो किसी ने मौसम को, किसी ने गधे को गालियां दी तो किसी ने पुलिस वाले को। मगर नेताजी को हेलमेट पहनने और तीन सवारी नहीं चलने की सलाह किसी ने नहीं दी।

दिनचर्या बिगड़ने से खतरे में सेहत

आज दिन दोगुना और रात चौगुना कमाने की हर किसी की ख्वाहिश है। प्रतिस्पर्द्धी आधुनिक जमाने में दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी और आमजन तक की भी यह स्थिति है कि आज किसी भी व्यक्ति के पास समय नहीं। रोजमर्रा के कार्य के चलते दिन-रात भागमभाग की जिन्दगी जी रहा है। इसी अति व्यस्तता के चलते आजकल हर शख्स की दिनचर्या ही गड़बड़ा गई है, जिसकी वजह से उनकी सेहत खतरे में पड़ गई है। बिगड़ती सेहत को लेकर खुद चिंतित भी है, मगर न तो वे दिनचर्या के अनुकूल ढल पा रहे हैं और न ही स्वस्थ रह पा रहा है। इसलिए हर शख्स को दैनिक दिनचर्या में कुछ बदलाव करने अनिवार्य है, तभी हमेशा शारीरिक तौर से स्वस्थ रहना संभव है।

पैसा आज हर शख्स की पहली और अंतिम अनिवार्य डिमांड है। पर इस सबसे ज्यादा जरूरी सेहत भी है। क्योंकि शरीर स्वस्थ नहीं रहा, तो न सिर्फ भागदौड़ बंद हो जाएगी, बल्कि कई दिन तक लंबा आराम करने से काफी आर्थिक क्षति भी हो सकती है। फिर जब एक बीमारी ने किसी को ग्रसित कर दिया, तो कई अन्य बीमारियां भी घेर लेगी, तब स्वस्थ होने में लंबा वक्त जाया हो सकता है।

फिर खानपान पर लगेंगे कई प्रतिबंध

बीमार होने के बाद डायबिटिज, शुगर सहित कई बीमारियां हो सकती है। शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ने पर घी, तेल से बंद व्यंजन खाने पर हमेशा प्रतिबंध लगाना हर किसी के लिए मजबूरी हो जाएगा। मीठा खाना भी वर्जित हो जाएगा। इसलिए हर शख्स को यह सोचना चाहिए कि आखिर वे कर किसके लिए रहे हैं। यह भी समझना होगा कि दिनचर्या में कुछ बदलाव कर हमेशा स्वस्थ कैसे रहा जाए।

तो हमेशा रह सकते हैं स्वस्थ्य

खान-पान :

स्वास्थ्य में खान-पान का सबसे अहम रोल हैं। अत: खाना समय पर खाएं, आहार में जरूरत की सब चीजे लें एवं बढ़ते चाय कॉफी और फास्ट फुड के प्रचलन से परहेज करें। बहुत लोग काम की व्यस्तता में सुबह का खाना दो-तीन बजे तक नहीं खा पाते हैं, जो शरीर के लिए बहुत घातक हैं।

नींद :

काम को इतना महत्व भी ना दे कि नींद के लिए पर्याप्त समय नहीं मिले। बढ़ते स्मार्टफोन का उपयोग भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। हर शख्स के लिए प्रतिदिन 6 से 8 घंटे की नींद आवश्यक है।

योग :

हमेशा स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक हैं। प्रतिदिन 45 मिनट तक उचित व्यायाम करें। साथ में योग मेडिटेशन करें, तो और भी बेहतर हैं। इन तीन योगों को भी नित्य अपनाकर तनावमुक्त हो स्वस्थ्य रहा संभव है। जीवन की आवश्यकता बहुत कम हैं और वासना ज्यादा इस चीज समझे और खुश रहने की कोशिश करें।

डॉ. प्रकाश शर्मा (BHMS)
श्रीजी होम्यो क्लीनिक
शिवालय नगर,
स्वास्तिक सिनेमा से आगे, कांकरोली
मो. 9214463172

समाज में क्यों घुल रहा साम्प्रदायिकता का जहर, क्या अनेकता में एकता होगी कायम

यह एक कटु सत्य है कि विभिन्न समुदायों के बीच शांति एवं सौहार्द स्थापित करने की राह में सांप्रदायिक दंगे एक बहुत बड़ा रोड़ा बन कर उभरते है और साथ ही मानवता पर ऐसा गहरा घाव छोड़ जाते है जिससे उबरने में मानव को कई वर्ष तक लग जाते है। ऐसे में समुदायों के बीच उत्पन्न तनावग्रस्त स्थिति में किसी भी गांव, शहर व प्रदेश की प्रगति संभव ही नहीं है। साम्यवादी चिन्तक काल मार्क्स ने धर्म को अफीम की संज्ञा देते हुए कहा था कि धर्म लोगों में नशेड़ी की अफीम की तरह विद्यमान होता है, जो हर हाल में नशा नहीं त्यागना चाहता है। भले ही वह अन्दर से खोखला क्यों ना हो जाए। तरसिंगड़ा में रातोंरात प्रशासन द्वारा मूर्ति हटाने को लेकर उपजे विवाद में समूचे राजसमंद जिले में तनाव के हालात उत्पन्न कर दिए। दो समुदाय एक दूजे के खिलाफ खड़े हो गए। आखिर दो समुदायों में कटुता, कलुषता क्यों आई। अब तक तो राजसमंद के कांकरोली क्षेत्र में कभी साम्प्रदायिकता के हालात नहीं बने। आखिर इसके लिए कौन जिम्मेदार है। क्या इस ओर पुलिस, प्रशासन, राजनेता और दोनों समुदायों ने मनन किया, नहीं। इसी हालात को लेकर ***जयवर्द्धन पत्रिका की खास रिपोर्ट...***

क्षेत्रीयता की वजह से बढ़ रहा तनाव

राष्ट्रीय एकता राष्ट्र को सशक्त एवं संगठित बनाती है। यही भावना विभिन्न धर्म, संप्रदाय, जाति, वेश-भूषा व संस्कृति के लोगों को एक सूत्र में पिरोए रखती हैं। समाज में अगर विद्वेष के हालात बनने लगे हैं, तो उसके लिए सांप्रदायिकता, जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रीयता बड़े अवरोधक तत्व हैं। इससे ग्रसित लोगों की मानसिकता क्षुद्र होती है जो निजी स्वार्थ के चलते स्वयं को राष्ट्र की प्रमुख धारा से अलग रखते हैं तथा अपने संपर्क में आए अन्य लोगों को भी अलगाववाद के लिए उकसाते हैं। यही आगे चलकर लोगों में विघटन का रूप लेता है, जो फिर खून- खराबे, व दंगों में परिवर्तित हो जाता है।

धर्मनिरपेक्षता और संविधान

भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां कई धर्म मानने वाले लोग रहते हैं। ध्यान देने योग्य है कि धर्मनिरपेक्ष शब्द संविधान के 1976 में हुए 42वें संशोधन अधिनियम द्वारा प्रस्तावना में जोड़ा गया। यह संशोधन सभी धर्मों की समानता और धार्मिक सहिष्णुता सुनिश्चित करता है। चूंकि भारत का कोई अपना आधिकारिक धर्म नहीं है। अत: यहां ना तो किसी धर्म को बढावा दिया जाता है और ना ही किसी से धार्मिक भेदभाव किया जाता है। भारत में सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है और सभी मतानुयायो के साथ एक समान व्यवहार किया जाता है। सरकारी या सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कोई धार्मिक अनुदेश लागू भी नहीं होता।

उन दंगों से अब भी नहीं उबरा जनमानस

1948 के बाद भारत में पहला सांप्रदायिक दंगा 1961 में मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में हुआ। उसके बाद से अब तक सांप्रदायिक दंगो की झड़ी सी लग गयी। बात चाहे 1969 में गुजरात के दंगो की हो, 1984 में सिख विरोधी हिंसा की हो, 1987 में मेरठ के दंगे हो, जो लगभग दो महीने तक चला था और कई लोगो ने अपनी जान गंवाई थी। 1989 में हुए भागलपुर.दंगे की बात हो, 1992-93 में बाबरी कांड के बाद मुंबई में भड़की हिंसा की हो, 2002 में गुजरात दंगो की हो, 2008 में कंधमाल की हिंसा की हो या फिर अभी पिछले दिनों ही उत्तर प्रदेश के बरेली में फैली सांप्रदायिक हिंसा की हो अथवा इस समय सांप्रदायिक हिंसा की आग में सुलगते असम के साथ राजसमंद और उदयपुर शहर हो, जिसमें कई वाहन आग के हवाले कर दिए, तो कई बेगुनाहों को लाठियां खानी पड़ी।

अनेकता में एकता अब होगी कायम

हम स्वयं अपने राष्ट्रीय प्रतीकों व अपने संविधान का सम्मान करें तथा अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्तिको भी इसके लिंए प्रेरित करें, जिससे हमारी राष्ट्रीय एकता युग- युगांतर तक बनी रहे। हम विघटनकारी तत्वों को राष्ट्रीय एकता की मशाल जलाकर ही भस्मीभूत कर सकते हैं। हम एक थे, एक हैं और सदा एक बने रहेंगे। जैसे- जैसे यह विश्वास दृढ़ होता जाएगा, हमारी राष्ट्रीय एकता त्यों- त्यों मजबूत होती जाएगी।

साम्प्रदायिक संक्रमण से बचने-बचाने के लिए सौहार्द्र-सद्भाव परक इलाज जरूरी

मात्र बहस का विषय बनाकर व्यक्तिगत विचारों को अन्य की बलात् स्वीकृति के लिए परोसा तो जा सकता हैं, लेकिन उसे अधिक धरावल पर हृदयंगम कराना बड़ा कठिन होता हैं। बहस सदैव किसी न किसी पारिवारिक, सामाजिक या राजनीतिक गुरूर से निकल कर बाहर आती हैं। अत: वह निष्कर्ष तक न पहुंचकर मत- मन्तार के तिराहों- चौराहों पर जाकर भटक जाती हैं।

बौद्धिक अहं के इस युग में अन्य की सुनना, उसे मान न देना और एकाकी निष्कर्ष के अधूरे आसमान में स्वच्छन्द विचरने के दमखम में अनिश्चय की संस्कृति का विकास करने वाली बहस को बन्द किया जाए, कम से कम हतोत्साहित किया जाए, तो शायद दिशाओं में नए सूरज के उदय की कल्पना की जा सकती हैं। कतिपय विषय जो सीधे-सीधे आंसुओं की स्याही से लिखे जाने चाहिए। उन्हें खून की स्याही से लिखने में हमें बड़ा मजा आता हैं। कभी-कभी चतुराई से लालरंग में पानी का अंश मिलाकर थोड़ा विस्तारवादी, उदारवादी मानवतावादी होने का भी फ्लेवर दिया जाता हैं।

आप और हम जैसे सदैव अनुभूतियों, संवेदनाओं और सहानुभूति की फसल बोने और काटने वाले प्रभु पुत्रों को यह सब नहीं भाता, लेकिन इस फसल को लहलहाने के लिए उर्वर बीज बोने का एक महत्वपूर्ण अवसर कभी न कभी जरूर आता हैं। वह अवसर ही कसौटी होता हैं, बिना हथियार एक युद्ध लड़ने का। इस युद्ध में व्यक्तिगत संवेदना के समाजीकरण के अवसर होते हैं, जिसके लिए कार्य किया जाए बिना किसी पूर्वाग्रह के।

मुझे उस दिन अखबार की सुर्खियों में ईश्वर की दो खुबसूरत कृतियों के बीच एक रक्तरंजित हथियार के खेल का लाइव टेलिकास्ट देख कर सुख-दुख की अनुभूतियों से ऊपर इतप्रभता की अनुभूति हुई थी। मैं नहीं समझ पा रहा था कि द्वैष और प्रतिशोध की कोई जाति, धर्म या वैचारिक प्रतिबद्धता होती हैं क्या भला? मेरी दृष्टि में आवेश के क्षण में अस्तित्व रक्षण प्रतिरक्षण की अमानवीय रस्साकसी में दोनों ही गए। एक और एक के बीच के संघर्ष की सामाजिक व्याख्या बाद की परिस्थितियों की देन हैं। मुख्य बात केवल इतनी हैं कि मानवीय संवेगों पर नियंत्रण का एक निरंतर प्रयास किसी भी हिंसक (उसे साम्प्रदायिक कहना हिंसकता के व्यवहार को मानों कम कर सामाजिक स्तर की चेतना को गलत टाइ पर ले जाना हैं) घटना को न होने देने का एकमात्र उपाय हैं।

शायद यह तथाकथित समझदार समाज के उपदेश कुशल होने का ही उदाहरण होगा कि हम सारे दोषों का ठीकरा केवल आवेश के पलों में गलत कर गए व्यक्ति या व्यक्तियों पर छोड़ दें। घटना के बाद निरंतर घटना पर चर्चा करने, व्याख्या विश्लेषण करें, माहौल को लगातार पक्ष विपक्ष के बीच बनाए रखने और प्रकट में मानवीय व्यवहार, मूल्य, शांति, सद्भाव, प्रेम, आपसी सौहार्द्ध की दुहाई देने वाले समूहों के समाज में इस हेतु सामूहिक दूरगामी प्रयासों के लिए कभी कोई स्थायी योजनाबद्ध प्रयास किए गए या न सही दूरगामी, तात्कालिक प्रयत्न की दिशा में मिलजुल कर तेवरों को ढ़ीला कर एक जाजम पर, सिंगल अम्ब्रेला सिस्टम का एक सर्वजनहिताय राजनीति, धर्म व संस्कृति तंत्र से ऊपर कोई प्रभावी नेतृत्व समक्ष आया- हमें नहीं लगता।

शांति समितियां मौसमी सौहार्द्ध की बात कहने वाली भूमिका से उठ पाती हैं। यह विचारणीय विषय हैं। मानसिक धर्मतंत्र, राजतंत्र, लोकतंत्र की आज की शक्ल देखकर इच्छा शक्ति के अभाव से उत्पन्न ऐसी परिस्थिति आती हैं- ऐसा कहकर पल्ला झाड़ा जा सकता हैं, लेकिन अब यह उस समाज का कत्तर्व्य बनता हैं, जो घटनाओं को चटखारे लेकर व्याख्या करने में विश्वास नहीं रखता हैं, जिसे तिल का ताड़या कभी-कभी ताड़ को तिल बनाने का भी शातिर शौक नहीं, जो अपने अवचेतन मानसिक विश्व में किसी भी ऐसी घटना को राख कुरैद कुरैद कर आग बनाने में रूचिशील नहीं हैं अथवा जो हर हालत में उदासीन मूकदर्शक या शुतुर्मुर्गी प्रवृति का हामी नहीं हैं। मौजूदा परिस्थिति में जहां धर्म सम्प्रदाय, राजनीति, छद्म मानवीय विलाप की शतरंजी चालों में न्याय- अन्याय, सत्य-असत्य और सही- गलत को समझना, परखना, निर्णय लेना और पैनी नजर रखना बमुश्किल हैं। एक ऐसे वृहद् समूह का उभरना जरूरी हो गया हैं, जिसे मस्जिदों की अजानों में मंदिरों की घंटियों और मंदिरों के अनुष्ठानों में मस्जिदों की अल्ला ताला की इबादत के अलौकिक आनन्द का थोड़ा भी एहसास हो।

प्रशासन व कानून व्यवस्था सामयिक व तात्कालिक नियंत्रण करने के दायित्व का निर्वहन करती हैं, लेकिन वह स्थायी व्यवहारगत समाधान, नीर क्षीर विवेकजन्य निर्णय के प्रत सार्वजनिक सोच एवं धैर्यपूर्वक घटनाओं व आसन्न संकट की स्थिति में नियंत्रित अभिव्यक्ति का मार्गदर्शन नहीं कर सकती। यह कार्य लोकशक्ति का हैं, जिसका वरिष्करण और प्रशिक्षण होना आवश्यक हैं।

यह भी एक निदान का विषय हैं कि जब हिंसा, अशांति और विप्लव आकस्मिक रूप में पारम्परिक रूप से किसी पारम्परिक शांति व सद्भाव की संस्कृति वाले शहर की नींद उड़ाने लगे, जब असाधारण आपराधिक प्रवृति किसी घटना की शक्ल में विचारधाओं के स्तर पर इस विधा से नितांत अपरिचित स्थानीय जन समूह को भी अपनी शैली में ढालना शुरू कर दें, तो इन सब निर्मुल वृक्ष के अचानक खिल आए केक्टसों की पड़ताल करना जरूरी हो जाता हैं और बिना किसी हवा, तूफान के अचानक सैलाब जब किसी पड़ौसी के घर जाकर ऊधम मचाने लगे, तो लगता है कि यह सब अचानक महसूस होने वाली शिफ्टिंग वस्तुत: अचानक नही हैं।

इन्हीं बिन्दुओं पर तटस्थ चिन्तन से प्रारम्भ होता हैं– लोक शक्ति की जवाबदेही। अन्तत: अपने घर की समस्याओं का निदान और उपचार भी हमें ही करना हैं। शांत पड़ौसी को अशान्त देख अपनी मुसीबत टलने की मुद्रा में आने वालों को इस संक्रमण से बचाने बचने का स्थाई समावेशी सौहार्द्ध, सद्भाव परक इलाज भी हमें ही खोजना हैं। शासन, प्रशासन, कानून व्यवस्था अन्तत: इसी लोक शक्ति के समारात्मक व्यवहार की आकांक्षी होती हैं।

हमें गर्व हैं एक सद्भावी राजसमंद शहर, उदयपुर संभाग के नागरिक होने पर। हम अपने इतिहास, संस्कृति और समन्वित आदर्शों की परम्परा का बखान करते अघाते नहीं, लेकिन समझना होगा कि ये विरासतें केवल स्कूल– कॉलेज की पाठ्य पुस्तकों का विषय या अतीत की बैसाखियों पर अपने कमजोर वर्तमान को घसीटने का साधन न बन, हमारी मार्गदर्शी बने। यदि ऐसा नहीं हो पाता हैं, तो भीड़ से पृथक अपने अस्तित्व बोध और इतिहास के आल्हा गाने का कोई औचित्य नहीं होगा।

डॉ. राकेश तैलंग
शिक्षाविद् व साहित्यकार
श्री द्वारकाधीश मंदिर मार्ग,
कांकरोली, जिला राजसमंद

राजस्थान पत्रिका,
दैनिक भास्कर के साथ सभी
अखबारों में विज्ञापन
प्रकाशित कराने का एकमात्र स्थान
शक्ति एडवरटाइजिंग
सभी प्रकार की खेलकूद सामग्री मिलने का राजसमंद में एकमात्र स्थान
शक्ति स्पोर्ट्स
शास्त्री मार्केट, कांकरोली (राजसमंद)
94142-39648, 94144-73275

RS-CIT
एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स
प्रवेश प्रारम्भ
सन-शाइन
इंस्टीट्यूट ऑफ आईटी
सांयों का खेड़ा
तहसील खमनोर, जिला-राजसमंद
केलवा
तहसील व जिला-राजसमंद
Contact : 96498 13798
96729 94705

अस्पतालों में घायलों के प्राथमिक उपचार तक की नहीं व्यवस्था

भीम में ट्रोमा सेन्टर पर जड़े ताले और कई वर्षों से बेकार पड़ा लाखों का भवन। *फोटो : हीरालाल भाट, भीम*

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

घटना-दुर्घटना में गंभीर घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार मुहैया कराने के लिए हाइवे व गांव ढाणी तक पुख्ता प्रबंध नहीं है, जिसकी वजह से कई घायल तो जल्द उपचार नहीं मिलने की वजह से दम तोड़ रहे हैं। आरके जिला चिकित्सालय राजसमंद व सामान्य अस्पताल नाथद्वारा के अलावा किसी भी सीएचसी पर जरूरत के मुताबिक विशेषज्ञ नहीं है। इस कारण ज्यादातर सीएचसी व पीएचसी सिर्फ रेफरल अस्पताल बनकर रह गए हैं, जहां प्राथमिक उपचार के अलावा कोई उपचार संभव ही नहीं है। आरके जिला अस्पताल में भी आग में झुलसे को तत्काल उपचार नहीं हो पाता है, जिसे प्राथमिक उपचार कर उदयपुर रेफर करना ही विकल्प है। इसी तरह सिर में गंभीर चोट, एमआरआई व अन्य जांचों के लिहाज से रोगी को रेफर ही किया जाता है।

ट्रोमा के ताले, अस्पताल बने रेफरल

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर सामुदायिक अस्पताल व जिला चिकित्सालय तक में विशेषज्ञ नहीं है और पेरामेडिकल स्टाफ भी आधा रह गया है। स्थिति यह है कि समस्त पीएचसी, सीएचसी, सामान्य अस्पताल राजसमंद व नाथद्वारा में 56 फीसदी चिकित्सकों के पद रिक्त है, जबकि पचास फीसदी नर्स- कम्पाउंडर नहीं है। इसके अलावा एनआरएचएम में भी एक तिहाई कार्मिकों का अभाव होने से चिकित्सा व्यवस्थाएं पटरी से उतर गई हैं। चिकित्सकों के अभाव में लाखों रुपए के संसाधन बेकार हो रहे हैं और लोगों को कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसके अलावा दुर्घटना में घायलों को तत्काल उपचार के लिहाज से राजसमंद, नाथद्वारा व भीम के ट्रोमा अस्पताल के पांच साल से स्टाफ के अभाव में ताले जड़े हुए हैं और भीम ट्रोमा अस्पताल से तो मशीन भी ब्यावर स्थानान्तरित कर दी गई।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अभाव में स्वास्थ्य केंद्र बन गए क्लीनिक

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

भीम. अजमेर, पाली, भीलवाड़ा की सरहद पर स्थित हाइवे आठ पर होने वाली दुर्घटनाओं के घायलों को बचाने के लिए भीम क्षेत्र में कोई प्रबंध नहीं है। प्राथमिक उपचार के बाद हर घायल को रेफर ही अंतिम विकल्प है और नाजुक हालत वाले गंभीर घायल उच्च चिकित्सा संस्थान ले जाते वक्त रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। चिकित्सक व स्टाफ के अभाव में पांच साल से ट्रोमा अस्पताल पर ताले जड़े हुए हैं।

बावजूद न तो क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि गंभीर है और न ही प्रशासन व सरकार। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीम में 17 के मुकाबले महज तीन चार चिकित्सक ही कार्यरत हैं। गायनिक, सर्जन, अस्थि, नाक कान गला, नेत्र रोग के उपचार की तो कोई व्यवस्था ही नहीं हैं। इस कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अब महज एक क्लीनिक बनकर रह गया है। स्थिति यह है कि ट्रोमा युनिट बंद होने से ऑपरेशन की सीआरएम मशीन भी ब्यावर राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय भेज दी गई।

चालक नहीं, पांच एम्बुलेंस बेकार

सीएचसी पर पांच एम्बुलेंस है, मगर चालक के अभाव में अनुपयोगी हो रही है। अस्थायी चालक तो दिन में ही रहते हैं और रात में एम्बुलेंस शॉपीस ही रहती है। स्टाफ के अभाव में उपाचर के लिए आने वाले रोगियों को घंटों चिकित्सक परामर्श, जांच के लिए खड़े रहना मजबूरी हो गया है। इसके अलावा 108 एम्बुलेंस भी खटारा है, जिसका भी क्षेत्रीय लोगों को कोई फायदा नहीं मिल पा रहा है।

देवगढ़ : रास्ते में ही टूट जाता है दम

देवगढ़. शहर- देहात में बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिहाज से सरकारी के साथ दानदाताओं ने भी कई महंगें व अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध करवा लिए, मगर संचालन करने वाले विशेषज्ञ नहीं है। इसके चलते सड़क हादसे में घायल होने वाले अधिकतर घायल तो वक्त पर उपचार न मिलने व उच्च चिकित्सालय ले जाने के दौरान ही रास्ते में दम तोड़ देते हैं। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवगढ़ में सोनोग्राफी, एक्सरे के साथ आईसीयू तक के संसाधन व मशीनें उपलब्ध हैं, मगर वर्तमान में एक भी विशेषज्ञ ऐसा नहीं है जो इनका संचालन कर आमजन को सुविधा उपलब्ध करवा सके।

देवगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गायनिक, सर्जन, नेत्र, नाक- कान- गला रोग सहित 11 पद स्वीकृत है, लेकिन तीन चार चिकित्सकों पर ही अस्पताल का सारा दारोमदार हैं। विशेषज्ञों के अभाव में देवगढ़ का अस्पताल अब महज रेफरल बनकर रह गया है, जहां छिटपुट बीमारी का मरीज हो या दुर्घटना का गंभीर घायल। उसे उच्च चिकित्सालय के लिए रेफर करने की ही सुविधा रह गई है। स्थिति यह है कि अब शहर का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की चिकित्सा सुविधाएं अब पीएचसी से भी बदत्तर हो गई है।

महिला की बेईज्जती से खाप पंचायत को सबक

प्रशासन सख्त : तीन साल में फिर कहीं नहीं सुनाया फैसला और न ही समाज हुआ शर्मसार

रिकॉल 8.11.2014 : यहां खाप पंचायत ने लूटी अबला की आबरू

रिकॉल 10.11.2014 : घर में गुमसुम बदहवास हालत में पीड़िता।

फिर अफराजुल लाइव मर्डर ने झकझोरा

जयवर्द्धन न्यूज @ राजसमंद
liverajsamand.com

राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ में ठेठ देहाती ढाणी थाली का तालाब (थुरावड़) में 8नवम्बर 2014 को एक महिला को दूर के रिश्ते में भतीजे की मौत का जिम्मेदार मानते हुए खाप पंचायत ने फैसला सुनाते हुए सरेआम बेइज्जत किया। महिला को निर्वस्त्र किया, बाल काटे, जूतो की माला पहनाई और फिर उसे गधे पर बिठा कर गांव में घूमाया। उस घटना ने पूरे मानव समाज को शर्मसार कर दिया। घटना बड़ी थी जिससे पुलिस व प्रशासन का खुफिया तंत्र इसे रोकने में नाकाम रहा। हालांकि बाद में प्रकरण संयुक्त राष्ट्र तक गूंजा, तो सरकार और प्रशासन ने खाप पंचायत में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर से शामिल 47 लोगों को गिरफ्तार किया। महिला के साथ ऐसा अमानवीय कृत्य करने के लिए उकसाने वाली मुख्य आरोपी सुंदरबाई सहित 39 लोगों की गैरजमानती धाराओं में गिरफ्तारी हुई।ज्यादातर लोगों के जेल की सलाखों में जाने से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। महिलाएं परेशान हो गई। घर-खेतों के रोजमर्रा के काम अटक गए। तब सरकार की सख्ती पर प्रशासन द्वारा तत्कालीन चारभुजा थाना प्रभारी, बीट कांस्टेबल, शिक्षक, पटवारी, ग्रामसेवक सहित आठ कर्मचारियों के अलावा तीन वार्डपंचों और सरपंच को भी निलंबित कर दिया। जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध इस तरह की कार्रवाई का भी यह विरला उदाहरण बना। उस घटना से पुलिस व प्रशासनिक तंत्र की सख्त कार्रवाई खाप पंचायत के लिए सबक बनी। उसी का परिणाम रहा कि उस घटना के तीन साल बाद भी खाप पंचायत का वैसा कोई फैसला नहीं हुआ और न ही किसी व्यक्ति के खिलाफ अमानवीय कृत्य हुआ।

अफराजुल लाइव मर्डर से फिर इंसानियत शर्मसार

6दिसंबर 2017 को राजसमंद के सौ फीट रोड किनारे बंगाली ठेकेदार अफराजुल की हत्या व उसका लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की सनसनीखेज वारदात ने आमजन को झकझोर दिया। अफराजुल की हत्या के आरोपी रेगर मोहल्ला राजनगर निवासी शंभूलाल रेगर ने लव जिहाद का बयान दिया। वीडियो में चेतावनी दी कि हर लव जेहादी का ऐसा ही हश्र होगा। कथित तौर पर उसके समाज की युवती को कोई बंगाली श्रमिक भगा कर ले गया। हालांकि बाद में वह वापस राजसमंद आ गई।

घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र तक उठी आवाज

डेढ़ साल बाद मिली जमानत

थाली का तालाब में महिला से हैवानियत के बर्ताव पर एक महिला सुंदरबाई सहित 39 लोगों की गिरफ्तारी हो गई थी। उन्हें ठीक डेढ़ साल बाद मई 2016में हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। तब तक समूचे गांव में सन्नाटा पसरा रहा। कई दिनों तक बस्ती में चूल्हे तक नहीं जले। बाद में नाते-रिश्तेदारों ने आकर घर गृहस्थी की कमान संभाली।

अब भी नहीं बोलता कोई कुछ

महिला के साथ अमानवीय कृत्य के बाद जिस तरह से पुलिस व प्रशासन की सख्त कार्रवाई हुई।उस कार्रवाई पूरी बस्ती के लोगों में डर व दहशत इस तरह कदर व्याप्त हो गई कि आज तक कोई उस घटना को लेकर कुछ नहीं बताता। महिला, बच्चे तो क्या जमानत पर छूट कर आए ग्रामीण भी उस घटना के बारे में कुछ भी नहीं बोलते।

13 दिसंबर को हुई थी पेशी

थुरावड़ कांड को लेकर राजसमंद अदालत में पिछली पेशी 13 दिसंबर को हुई और अगली पेशी 22 जनवरी को होगी। जमानत के बाद सभी आरोपित फिर से रोजमर्रा के कामकाज में जुट गए, मगर पेशी के चलते बाहर नहीं जा सके।

न्यायिक मजिस्ट्रेट के बयान शेष

थुरावड़ कांड की पहली सुनवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुंभलगढ़ में हुई। फिर प्रकरण मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजसमंद न्यायालय में स्थानान्तरित हो गया, जहां से मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट राजसमंद कोर्ट में ट्रांसफर हो गया। अब तक 30 गवाहों के बयान हो चुके हैं। इसके अलावा पीड़िता के 164 के बयान लेने वाले तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट देवगढ़ वैभव कुमार टेलर के बयान शेष हैं।

यह था मामला

थाली का तालाब निवासी वरदीसिंह पुत्र राजूसिंह चदाणा मुंबई में मजदूरी करता था, जो मुंबई से गांव लौटा ही था। फिर 2 नवंबर 2014 को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस में रिपोर्ट दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। बाद में वरदीसिंह की पत्नी सुंदरबाई व एक अन्य व्यक्ति सुंदरसिंह ने हत्या की आशंका जताई। साथ ही रिश्ते में उसकी चाची पर हत्या कराने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने एसपी को भी परिवाद दिया था। क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड़ से भी ग्रामीणों ने मुलाकात की। तब तक पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं होने पर 8नवम्बर 2014 सुबह शोकसभा में पचास से साठ लोग एकत्रित हुए। कथित महिला के बाल पकड़ खींचते हुए बीच चौराहे पर ले आए, जहां ग्रामीणों ने उसे निर्वस्त्र किया। जूतों की माला पहनाई और उसे गधे पर बिठा कर गांव में घूमाया। तब तक महिला के पति व बेटों को बंधक बना लिया। करीब डेढ़ तक थाली का तालाब से थुरावड़ ग्राम पंचायत कार्यालय तक ले जाकर वापस यथा स्थान लौटे और महिला को बेहोश हालत में छोड़ कर लोग चलते बने। तब तक पुलिस पहुंच गई और पीड़िता को कपड़े पहनाए व उसे सुरक्षित घर पहुंचाया। पीड़ित महिला को पुलिस चारभुजा ले गई, जहां मेडिकल कराने के साथ ही कार्रवाई शुरू कर दी।

विकास दवे
सरपंच-सैवन्त्री

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) की ओर अग्रसर

स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को सुन्दर व स्वच्छ बनाएं रखे। खुशहाली लाएं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

सचिव, उपसरपंच एवं समस्त वार्डपंच एवं ग्रामवासी

अपील

✳ कचरे को कचरा पेटी में ही डालें। ✳ कागज, प्लास्टिक की बोतलें, धातु के डिब्बे, कांच आदि अलग-अलग फेंके। ✳ सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके। ✳अपने पालतू जानवरों को सार्वजनिक स्थल पर गन्दगी न फैलाने दें। ✳ नालियों व सीवरेज को ब्लॉक न करें, न ही प्रशासन की अनुमति के बिना इनमें फेर बदल करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत सैवन्त्री, पंचायत समिति कुंभलगढ़

किशनलाल गुर्जर
पूर्व प्रधान-कुंभलगढ़

गोपाल गुर्जर
सरपंच-कोयल

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को सुन्दर व स्वच्छ बनाएं रखे। खुशहाली लाएं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

नाहरसिंह-उपसरपंच
समस्त वार्डपंच व ग्रामवासी

अर्जुनसिंह भाटी
सचिव-कोयल

✳ कचरे को कचरा पेटी में ही डालें। ✳ कागज, प्लास्टिक की बोतलें, धातु के डिब्बे, कांच आदि अलग-अलग फेंके। ✳ सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके। ✳अपने पालतू जानवरों को सार्वजनिक स्थल पर गन्दगी न फैलाने दें। ✳ नालियों व सीवरेज को ब्लॉक न करें, न ही प्रशासन की अनुमति के बिना इनमें फेर बदल करें।

अपील

कार्यालय ग्राम पंचायत कोयल, पंचायत समिति कुंभलगढ़

जयवर्द्धन पत्रिका की वार्षिक बुकिंग सिर्फ 150 रुपए में

घासीरामजी गुर्जर
पूर्व सरपंच- कालिंजर

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

महेन्द्रसिंह-सचिव
समस्त वार्डपंच एवं ग्रामवासी

श्रीमती मंजु गुर्जर
सरपंच-कालिंजर

शंकरलाल गुर्जर
पूर्व सरपंच-कालिंजर

अपील

✳ कचरे को कचरा पेटी में ही डालें। ✳ कागज, प्लास्टिक की बोतलें, धातु के डिब्बे, कांच आदि अलग-अलग फेंके। ✳ सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके।
✳अपने पालतू जानवरों को सार्वजनिक स्थल पर गन्दगी न फैलाने दें। ✳ नालियों व सीवरेज को ब्लॉक न करें, न ही प्रशासन की अनुमति के बिना इनमें फेर बदल करें।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को सुन्दर व स्वच्छ बनाएं रखे। खुशहाली लाएं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

कार्यालय ग्राम पंचायत कालिंजर, पंचायत समिति कुंभलगढ़, जिला-राजसमंद

मोहनलाल गुर्जर
सरपंच-लाम्बोड़ी

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को सुन्दर व स्वच्छ बनाएं रखे।
खुशहाली लाएं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

भगवान सहाय-सचिव, किशनलाल चपलोत-उपसरपंच, कमलेन्द्रसिंह सोलंकी - सहायक सचिव
वार्डपंच :- नारायणसिंह सोलंकी, जीवनदास वैष्णव, विष्णाबाई गुर्जर, कमलाबाई सोनी, भोलीबाई गुर्जर, हनिता बाई बलाई, मेघाराम बलाई, मुकेशसिंह सोलंकी एवं समस्त ग्रामवासी

अपील

✳ कचरे को कचरा पेटी में ही डालें। ✳ कागज, प्लास्टिक की बोतलें, धातु के डिब्बे, कांच आदि अलग-अलग फेंके। ✳ सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके।
✳अपने पालतू जानवरों को सार्वजनिक स्थल पर गन्दगी न फैलाने दें।
✳ नालियों व सीवरेज को ब्लॉक न करें, न ही प्रशासन की अनुमति के बिना इनमें फेर बदल करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत लाम्बोड़ी, पंचायत समिति कुंभलगढ़

विशेषांक टेलीफोन हेल्पलाइन

मात्र 50 रुपए में प्राप्त करें।

मासिक "जयवर्द्धन" पत्रिका के ग्राहक बनें और आकर्षक डिस्काउंट पाएं

नाम- श्री/श्रीमती...

पता .... राज्य ....

फोन (निवास) ....मोबाइल ....ई-मेल ....

कृपया **जयवर्द्धन** के नाम से रु ....का डी.डी या चैक नं. ....

तिथि .... प्राप्त करें।

बैंक का नाम ....

(राजसमंद जिले से बाहर से भेजे गए चैक में कृपया 30/- रू अधिक भेजें।)

अवधि	अंकों की संख्या	कवर मूल्य	बचत	सब्सक्रिप्शन दर
1 वर्ष	12	240	90	150 रुपए

कृपया इस फार्म को भरकर डी.डी. या चैक के साथ हमें इस पते पर भेजें,

कार्यालय पता : C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली,

जिला-राजसमंद (राजस्थान) मोबाईल 9414239648, 9950084705

विशेष छूट के साथ मासिक पत्रिका की वार्षिक बुकिंग मात्र 150 रुपए में

नियम और शर्तें :

1. यह योजना केवल भारत में ही मान्य है।
2. विशेष पेशकश सीमित अवधि के लिए है।
3. राजसमन्द जिले के बाहर से भेजे गए चैक में कृपया 30/- रू. अधिक भेजें।
4. पत्रिका साधारण डाक द्वारा भेजी जाएगी तथा डाक गुम हो जाने पर जिम्मेदारी संस्थान की नहीं होगी। सूचना प्राप्त होने पर यदि अंक उपलब्ध रहता है तो पुनः निशुल्क प्रेषित कर दिया जाएगा।
5. पहले अंक को आप तक पहुंचने में एकाध सप्ताह लग सकता है।
6. कूरियर रजि.डाक से मंगवाने के लिए ग्राहक को कूरियर रजि. डाक खर्च अतिरिक्त वहन करना होगा।
7. सभी विवादों का न्याय क्षेत्र राजसमन्द न्यायालय के अधीन होगा।

धाय

पनिहारी तर्ज पर

दासी तो प्यारी पन्ना धाय रे हो
रंग रांणा जीरे लोल हो मेवाड़ा जीरे लोल
वणी राख्यो मेवाड़ को नाम पन्नाजी।
करमांवता बैठी बलवा आग में हो रंग राणा।। -जीरे लोल
देणी भलावण उदिया री आज पन्नाजी।
दासी ने बुलाई राणी पास में हो रंग राणा।। -जीरे लोल
पन्ना ने सूंपियो प्यारो लाल पन्नाजी।
राणा की माता बणगी धाय रे हो रंग राणा।। -जीरे लोल
पालन करती मेहलां मांय पन्नाजी।
राज को काज करे बनवीर रे हो रंग राणा।। -जीरे लोल
कपटी घणों है मन माय पन्नाजी।
राणां ने काटण री दिल में सोचियो रे रंग राणा।। -जीरे लोल
चटपट महलां माय आयो पन्नाजी।
खुदरा टाबर ने सलायो सेज राणा रे हो रंग राणा।।-जीरे लोल
उदिया ने भेज्यो नदी तीर पन्नाजी।
मेहलां में पहुंचो बनवीर रे हो रंग राणा।। -जीरे लोल
बोल्यो कठे है उदियो राणा पन्नाजी।
पड्यो इशारो पन्ना धाय को रे हो रंग राणा।। -जीरे लोल
जठे पोड्यो है खुद रो लाल पन्नाजी।
पड़ी शमशीर चन्दन लाल पेरे हो रंग राणा।। -जीरे लोल
बगिया से बिछुड़ियो प्यारो फूल पन्नाजी।
धन्य-धन्य दासी पन्ना धाय रे हो रंग राणा।। -जीरे लोल
अमिट रहेगा थारो नाम पन्नाजी।
रजकण करे थारी आरती हो रंग राणा।। -जीरे लोल
अमर रहे हो चन्दन लाल पन्नाजी।

भगवानसिंह सोलंकी
'रजकण'
झीलवाड़ा, चारभुजा
जिला राजसमंद

जख्म पाना जरूरी हैं

इश्क पाने से पहले जख्म पाना जरूरी हैं,
बाद-ए-इश्क जख्म मरहम लगाना जरूरी हैं।
मयस्सर वो हमें हो ही ये जरूरी नहीं,
बस उनकी निगाहों में आना जरूरी हैं।
पसेमां वो भी थे देकर जख्म हमें बार-बार,
दूर हो शिकवे शिकायत मिलना जरूरी हैं।
झुका दिया हमने भी सर इन उम्मीदों में,
मोहब्बत वो हमसे करे ये समझाना जरूरी हैं।
ये शोखियां ये अदाएं जाने क्या 'मोहन'
नशे मन-ए-दिल मेरा होना जरूरी हैं।

मनमोहन पालीवाल
कांकरोली

छूट गई, वह छूक-छूक की आवाज

बाल्यकाल में छूक-छूक की आवाज करती थी भाव-विभोर,
बिलोकने रहते नित्य आतुर।
दौड़ते बिलोकने उसे जो स्टेशन पर आते-आते,
करती थी कूऊऊ... छूक-छूक-छूक.....
बहुधा आवाज आती सुबह-श्याम।
मन मोह लेती छूक-छूक की आवाज
प्रतीक बन गई समय की थी छूक-छूक, कूऊ-कूऊ... करती रेल।
समय का चक्र चला, हुई विकास पथ की बात
एक दिन आया आदेश, बना दिया फ्लेग स्टेशन।
रक्त ना ऊबला, जन मानस का कर दिया विरान स्टेशन
थी जहां चहल-पहल, चल रही रेल आज भी किंतु मोह, गया छूट।
ब्रोडगेज की हुई बात, अब कब हो पूरी वो बात
परंतु इस विकास पथ पर छूट गई, वह छूक-छूक की आवाज
छूट गई वो मोहक, छूक-छूक की आवाज।

आवारा पशु

निरीह गाय-बैल
विचरण करते चहुंओर, घर के आस-पास
खेत एवं मार्ग में बाजार में विचरण करते बन आवारा पशु।
खेतों का हलधर, करता विचरण कर्महीन
स्वयं के बल को, ढ़ोता निरीह बन।
ताकतवर वह, हलधर एक लाठी खाता ठेले वाले की
एक लाठी किराणें की दुकान वाले की
एक धुतकार खाता चलते राही की।
भारत का अन्नदाता, निरीह लाठी खाता आवारा पशु बन।
कहने को तो गाय हमारी माता,
किंतु दुग्धविहीन बनती, आवारा पशु हमारी गौ माता।
दुग्ध विहीन गौ, जरूरत नहीं, बोझ हमारी
आधुनिक युग हैं आजकल,
स्वार्थ के वशीभूत हैं, मानव आजकल।
कचरे के ढ़ेर में मुंह मारती गौ
प्लास्टिक की थैलियां खाती, हमारी गौ माता।
घास की जगह, खाने लगी हैं हमारी
गौ माता अंग्रेजी बबुल की पत्तियां
गौ दुग्धयुक्त अथवा दुग्धविहीन हमारी माता।
हलधर अन्नदाता, पिता हमारा
न घूमें, न भटके,
दर-दर हमारे माता पिता।

राजकुमार खटीक
रेलवे स्टेशन, कांकरोली

जीवन जीने के लिए ठहरना जरूरी

टॉल्सटॉय की प्रसिद्ध कहानी है कि एक आदमी के घर एक सन्यासी मेहमान हुआ। एक परिव्राजक। रात गपशप होने लगी, उस परिव्राजक ने कहा कि तुम यहां क्या छोटी- मोटी खेती में लगे हो। साइबेरिया में मैं यात्रा पर था, तो वहां जमीन इतनी सस्ती है कि मुफ्त ही मिलती है।

तुम यह जमीन छोड़ छाड़कर, बेच- बाचकर साइबेरिया चले जाओ। वहां हजारों एकड़ जमीन मिल जाएगी, इतनी जमीन में। वहां करो फसलें और बड़ी उपयोगी जमीन है और लोग वहां के इतने सीधे सादे हैं कि करीब करीब मुफ्त ही जमीन दे देते हैं।

उस आदमी को वासना जगी। उसने दूसरे दिन ही सब बेच बाचकर साइबेरिया की राह पकड़ी। जब पहुंचा तो उसे बात सच्ची मालूम पड़ी। उसने पूछा कि मैं जमीन खरीदना चाहता हूं, तो उन्होंने कहा, जमीन खरीदने का तुम जितना पैसा लाए हो, रख दो और कहा कि कल सुबह सूरज के ऊगते तुम निकल पड़ना और सांझ सूरज के डूबते तक जितनी जमीन तुम घेर सको घेर लेना।

बस चलते जाना.... जितनी जमीन तुम घेर लो। सांझ सूरज के डूबते डूबते उसी जगह पर लौट आना जहां से चले थे। बस यही शर्त है। जितनी जमीन तुम चल लोगे, उतनी जमीन तुम्हारी हो जाएगी।

रातभर तो सो न सका वह आदमी। तुम भी होते तो न सो सकते। ऐसे क्षणों में कोई सोता है। रातभर योजनाएं बनाता रहा कि कितनी जमीन घेर लूं। सुबह ही भागा। गांव इकट्ठा हो गया था। सुबह का सूरज ऊगा, वह भागा। उसने साथ अपनी रोटी भी ले ली थी, पानी का भी इंतजाम कर लिया था। रास्ते में भूख लगे, प्यास लगे तो सोचा था चलते ही चलते खाना भी खा लूंगा, पानी भी पी लूंगा। रुकना नहीं है, चलना क्या है, दौड़ना है। दौड़ना शुरू किया, क्योंकि चलने से तो आधी ही जमीन कर पाऊंगा, दौड़ने से दुगनी हो सकेगी। इसलिए वह भागा और भागता गया।

सोचा था कि ठीक बारह बजे लौट आऊंगा, ताकि सूरज डूबते- डूबते पहुंच जाऊ। बारह बज गए, मीलों चल चुका है, मगर वासना का कोई अंत है। उसने सोचा कि बारह तो बज गए, लौटना चाहिए, लेकिन सामने और उपजाऊ जमीन और उपजाऊ जमीन। थोड़ी सी और घेर लूं। जरा तेजी से दौड़ना पड़ेगा लौटते समय। इतनी ही बात है, एक ही दिन की तो बात है और जरा तेजी से दौड़ लूंगा।

उसने पानी भी न पीया, क्योंकि रुकना पड़ेगा उतनी देर। एक दिन की ही तो बात है। फिर कल पी लेंगे पानी, फिर जीवन भर पीते रहेंगे। उस दिन उसने खाना भी नहीं खाया। रास्ते में उसने खाना भी फेंक दिया, पानी भी फेंक दिया। क्योंकि उनका वजन भी ढोना पड़ रहा है, इसलिए दौड़ ठीक से नहीं पा रहा है। उसने अपना कोट भी उतार दिया। अपनी टोपी भी उतार दी, जितना निर्भार हो सकता था हो गया।

एक बज गया,

लेकिन लौटने का मन नहीं होता, क्योंकि आगे और और सुंदर भूमि आती चली जाती है, मगर फिर लौटना ही पड़ा, दो बजे तक लो लौटा। अब घबराया। सारी ताकत लगाई, लेकिन ताकत तो चुकने के करीब आ गई थी। सुबह से दौड़ रहा था। हांफ रहा था, घबरा रहा था कि पहुंच पाऊंगा सूरज डूबते तक कि नहीं। सारी ताकत लगा दी। पागल होकर दौड़ा। सब दांव पर लगा दिया। और सूरज डूबने लगा। ज्यादा दूरी भी नहीं रह गई है। लोग दिखाई पड़ने लगे। गांव के लोग खड़े हैं और आवाज दे रहे हैं कि आ जाओ, आ जाओ! उत्साह दे रहे हैं, भागे आओ! अजीब सीधे सादे लोग हैं। सोचने लगा मन में इनको तो सोचना चाहिए कि मैं मर ही जाऊं तो इनको धन भी मिल जाए और जमीन भी न जाए। मगर वे बड़ा उत्साह दे रहे हैं कि भागे आओ!

उसने आखिरी दम लगा दी। भागा– भागा। सूरज डूबने लगा, इधर सूरज डूब रहा है, उधर भाग रहा है। सूरज डूबते डूबते बस जाकर गिर पड़ा। कुछ पांच– सात गज की दूरी रह गई है, घिसटने लगा।

अभी सूरज की आखिरी कोर क्षितिज पर रह गई। घिसटने लगा और जब उसका हाथ उस जमीन के टुकड़े पर पहुंचा, जहां से भागा था। उस खूंटी पर, सूरज डूब गया। वहां सूरज डूबा, यहां यह आदमी भी मर गया। इतनी मेहनत कर ली! शायद हृदय का दौरा पड़ गया और सारे गांव के सीधे सादे लोग जिनको वह समझाता था। हंसने लगे और एक दूसरे से बात करने लगे।

ये पागल आदमी आते ही जाते हैं! इस तरह के पागल लोग आते ही रहते हैं! यह कोई नई घटना न थी, अक्सर लोग आ जाते थे खबरें सुनकर और इसी तरह मरते थे। यह कोई अपवाद नहीं था, यही नियम था। अब तक ऐसा एक भी आदमी नहीं आया था, जो घेरकर जमीन का मालिक बन पाया हो।

यह कहानी तुम्हारी कहानी है, तुम्हारी जिंदगी की कहानी है, सबकी जिंदगी की कहानी है। यही तो तुम कर रहे हो। दौड़ रहे हो कि कितनी जमीन घेर लें। बारह भी बज जाते हैं, दोपहर भी आ जाती है, लौटने का भी समय होने लगता है, मगर थोड़ा और दौड़ लें! न भूख की फिक्र है, न प्यास की फिक्र है।

जीने का समय कहां है। पहले जमीन घेर लें, पहले बैंक में रुपया इकट्ठा हो जाए, फिर जी लेंगे। फिर बाद में जी लेंगे। एक ही दिन का तो मामला है और कभी कोई नहीं जी पाता। गरीब मर जाते हैं भूखे, अमीर मर जाते हैं भूखे, कभी कोई नहीं जी पाता। जीने के लिए थोड़ी विश्रांति चाहिए। जीने के लिए थोड़ी समझ चाहिए। जीवन मुफ्त नहीं मिलता, बोध चाहिए।

संदर्भ : मृत्योर्मा अमृतं गमय
सौजन्य : ओशो इंटरनेशनल फाउंडेशन

बनो सच की ताकत
जयवर्द्धन पत्रिका

आपकी खबर
अब आपकी जुबानी...

अब आप भी
भेज सकते
हैं खबर

आपके शहर व गांव से जुड़ी मूलभूत समस्या, नवाचार, आयोजन, मुद्दे, लेख, चुटकले, कहानी, कविता हमें भेजे।

jaivardhanpatrika@.gmail.com

मासिक राशिफल : जनवरी 2018

मेष राशि : किसी के बहकावें में नहीं आवे, वांछित कार्य में रूकावटें, नया कारोबार शुरू नहीं करें, प्यार में धोखा, हानि होना। किसी कारण भय का अनुभव करेंगे। धन हानि नहीं।

वृषभ राशि : मनोवांछित सफलता, शत्रुओं पर विजय, नए मित्र बनेंगे, उच्चाधिकारी वर्ग आपके कार्यो से प्रसन्न, चित्त में शांति। जनेन्द्रिय संबंधी रोग, किसी न किसी की कमी व यात्रा का योग।

मिथुन राशि : परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा, कार्य के प्रति अड़चनें दूर होगी, अफसर से मुलाकात सफल रहेंगे। अपमान कारक स्थिति से बचे, धन प्राप्ति में रूकावट।

कर्क राशि : काफी समय से रूके हुए कार्य पूरे होंगे, नवीन कार्यो में प्रगति होगी, जिम्मेदारियों का एहसास, मनोवांछित सफलता, आय उत्तम। रोग से पीड़ित, आर्थिक स्थिति संतोषजनक, समझकर लेन देन करें।

सिंह राशि : घर पर शुभ-मांगलिक कार्यक्रम होने से खुशी का माहौल रहेगा, मेहमान का आवागम, यात्रा में सफलता मिलेगी, वांछित काम होंगे। भाई बंधुओं से सहयोग, ईश्वर में आस्था बढ़ेगी।

कन्या राशि : कार्य के सिलसिले में यात्रा, विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि होगी, जिम्मेदारियों का एहसास, मनोवांछित सफलता, आय उत्तम। आर्थिक लेन देन में लाभ, मित्रजन से सहयोग करेंगे।

तुला राशि : परिवार में कलह होना, रुपये पैसों की तंगी, कार्य में रूकावटें आना, परेशानियों बढ़ने पर उलझना, उचित निर्णय लेने में असफल होना। वाहन योग बनेगा व अटके कार्य पूर्ण होने होंगे।

वृश्चिक राशि : नए-नए कार्यो में रूचि, आय के जरिये एक से अधिक होंगे, व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि, विद्यार्थियों को उचित परिणाम। भय का अनुभव, शारीरिक कष्ट व सहयोगियों से उलझन।

धनु राशि : चिन्ता, जिम्मेदारी अधिक होना, विरोध, कोर्ट कचहरी के मामले उलझना, निराशा, कर्ज, फालतू के कार्य, व्यापार में हानि, भूमि भवन का संयोग व शत्रु पक्ष का भय।

मकर राशि : अविवाहितों का विवाह होगा, घर में शहनाइयां बजेगी, परिवार में खुशियां मनाएंगे, नए विचारों का उदय, रोजगार के अवसर खुलेंगे। शत्रु परास्त होगा, चिन्ता कम होगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ राशि : मान-सम्मान में वृद्धि, कार्यो में सफलता, शत्रुओं को पराजित करने में सक्षम, कोर्ट केस से छुटकारा, अर्थ लाभ के संकेत। व्यापार से लाभ, यात्रा में कष्ट, स्वास्थ्य में गिरावट संभव।

मीन राशि : प्रेमी-प्रेमिका को प्यार में सफलता, विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगा रहेगा, नौकरी में प्रमोशन होने का संकेत, फिजूलखर्ची से बचे, संतान पक्ष से सहयोग, साझे कार्यो में लाभ का योग।

पंडित उमेश द्विवेदी
महामंत्री-सनातन वैदिक
शिक्षण संस्थान, कसार जिला राजसमंद

सन-शाईन इंस्टीट्यूट ऑफ आईटी
प्रवेश प्रारम्भ
अधिकृत ज्ञान केंद्र
RS-CIT
एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स
Rajasthan Knowledge Corporation Limited
मूल निवास व जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेन कार्ड, जमाबंदी, आधार व भामाशाह कार्ड
हनुमान नगर, सांयों का खेड़ा | ICICI बैंक के पास केलवा
जिला-राजसमंद मो. 96498-13798, 9672994705
ई-मित्र व ऑनलाइन आवेदन की सम्पूर्ण सुविधा

नए साल का पहला 'जाम'

साल की पहली सुबह लपक ठंड में घर की घंटी बजी तो मैं चौंका। इत्ती सुबह-सुबह दरवाजे पर कौन होगा? अखबार वाला तो रोज चुपचाप खबरें फेंक कर चला जाता है, दूध वाला बिल वसूली वाली तारीख के अलावा कभी घंटी नहीं बजाता। सांता भी 24-25 की रात में ही 'खुशियों का ठेंगा' दिखाकर निकल लिया। तो फिर ये है कौन?

कड़ाके की ठंड में हिम्मत करके मुख्यमंत्री ब्रांड मफलर लपेटकर दरवाजा खोला तो सामने मित्र पंड्याजी खड़े थे। मंकी-कैप में वे लगभग उस घुग्घू टोपे का नाम चरितार्थ कर रहे थे। ठंड से लरजती आवाज में बोले- 'हैप्पी न्यू ईयर।' मैंने कहा - आप तो फेसबुक, वॉट्सएप पर दिनभर अखंड 'ड्यूटीरत' रहते हैं। वहीं से कह देते। इत्ती ठंड में स्वयं की कुल्फी जमाने की क्या जरूरत थी। बोले- 'नहीं! सामने बोलने का अलग मजा है और रागड़ा लेते बोले- नए साल का पहला 'जाम' आपके नाम।

मैं भौंचक हो बोला- 'आप तो ऐसे न थे? मेरा मतलब आप तो गुड़ी पड़वा वाले थे, मिश्री के साथ नीम की पत्ती वाले?'

बोले- 'अमां अंदर तो आने को कहो यार।' इतनी सुबह कोई भला आदमी नए साल की शुभकामनाओं भरे जाम लाया है। शरमा शरमी मुझे कहना पड़ा- 'आओ आओ।'

देर रात तक 'थर्टी फर्स्ट' के ढेर सारे चैनलों के बोर प्रोग्राम देखकर सोई अलसाई-सी श्रीमती जी को मैंने चाय का इशारा किया। तभी पंड्या जी ने तपाक से विधिवत श्रीमती जी को नए साल की बधाई देते हुए झोला हाथ में थमा दिया। मैं रोकने को हुआ कि भला आदमी 'जाम' सीधे भाभीजी को देकर मेरी क्यों फजीहत करवा रहा है।

मगर गिफ्ट झटकने में मिल्खासिंह की तेजी दिखाने वाली श्रीमतीजी ने तुरंत झोला लपका और कौतुहलवश झोले में झांका। यह देख नैतिकता की मेरी भैंस पानी में जाने ही वाली थी कि श्रीमती ने मुस्कराते हुए झोले में से एक ताजा जाम (फल) निकाला और मेरी तरफ बढ़ा दिया। अब मेरी नैतिकता वाली भैंस गुजरात चुनाव में भाजपा की तरह डूबने से बच गई थी। मैं मुस्करा दिया। मित्र बोले- 'आर्गेनिक जाम है। आने ही बगीचे के। एकदम ताजे।'

मित्र एक्चुअली, केंचुए वाली खाद से मैथी, बटले, भुट्टे, मटर उगाने वाले उन्नत टाइप के कृषक है। वे अक्सर मुझ पर अपने ऑर्गेनिक उत्पादों का 'ड्रग ट्रायल' करते रहते हैं। मैं जिंदा बच जाता हूं, तो वे उत्पाद बाजार में बेचने भेज देते हैं। अब तक तो बचा हुआ हूं, 2019 की कौन जाने।

मुकेश जोशी, उज्जैन
mukeshjoshi61@gmail.com

हितेश लड्ढा : 09460333801, 09928863444
बेमिसाल मजबूती का नाम....
MANGALA
मंगला
TMT BAR
ANGLE & CHANNEL
ISO : 9001 : 2008 Certified Co.
मैसर्स चारभुजा स्टील
कोटक महेन्द्रा बैंक के सामने, 100 फीट रोड़, कांकरोली, जिला-राजसमंद 313324

Let Us Help Your Business
GROW
Advertise With Us!
AFFORDABLE, TARGETED, NOW!
अपने बिजनेस
को दें
बुलन्दियां
सस्ती दरों पर
जयवर्द्धन
पत्रिका में
विज्ञापन
प्रकाशित कराएं।
स्पेशल ऑफर
विज्ञापन साइज
5 X 8 CM
सिर्फ
₹1000/-
सम्पर्क
शक्ति एडवरटाइजिंग
C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली, जिला-राजसमंद, 9414239648, 9649813798
Email : jaivardhanpatrika@gmail.com

जयवर्द्धन पत्रिका का तृतीय अंक पढ़ने को मिला। राजसमंद में कलम के सिपाही, व्यक्ति, समाज व राष्ट्र निर्माण में अपने नवीन तम सृजन के माध्यम से आजादी व लोकतंत्र का प्रकाश फैलाने में अपने श्रम की बूंदे यत्र तत्र सर्वत्र सरिता स्वरुप प्रवाहित कर रहे हैं। राजसमंद झील व पानी की सच्चाई को सामने लाने का प्रयास किया। 44 साल बाद छलकी झील आलेख तथ्यपूर्ण रूप ले सुंदर बन पड़ा, जो ऐतिहासिक रक्षणीय है। कान्यो जीवतो पूरबज वेईग्यो... में यथार्थ की कहानी में राजस्थानी भाषा से ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की रोशनी का अभाव व सामाजिक अंधविश्वास पर करारी चोट है।

चतुर कोठारी, शिक्षाविद्
कोठारी सदन बड़ा पाड़ा, राजसमंद

विरासत है, झील की कदरदानी कर देना... कविता ने मन झंकृत कर दिया। हृदय गौरवान्वित हो उठा। साथ ही कान्यो जीवतो पूरबज वेई ग्यो... लोकबोली अंधविश्वास पर चोट की। इस मेवाड़ी भाषा के लेख ने अत्यधिक प्रभावित किया। राजसमंद में भी जानलेवा न बन जाए मवेशियों की धमाचौकड़ी... तथ्यात्मक लेख है। राजपूताने का गौरव पद्मावती... यह लेख हमारे गौरवमयी इतिहास का रक्तरंजित स्मरण है। मेवाड़ी भाषा में कुंभलगढ़ रे कांगणे राजा माछर व्हे ने आवजो... काफी रोचक लगी। वरिष्ठ कवि पंडित नरेंद्र मिश्र की गोरा बादल... कविता वीरता बिम्ब बन कर प्रत्यक्ष लक्षित हुई। आओ जाणां आपणा नगर कांकरोली नै.. से शहर के इतिहास से रूबरू कराया।

राजकुमार खटीक,
कांकरोली

जयवर्द्धन पत्रिका राजसमंद जिले में अद्भुत प्रयास का गुलदस्ता हैं, स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका जैसा मयार (स्तर) देखा तो सच्ची लगन निष्ठा और सकारात्मक मेहनत का संगम नजर आता हैं। ये पत्रिका राजसमंद को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगी। जयवर्द्धन पत्रिका समूह के सम्पादक और पूरी टीम को हार्दिक बधाई जिसने पाठकगण को अपना कायल बना दिया।

सूर्य प्रकाश दीक्षित
कवि एवं साहित्यकार , राजसमंद

स्थानीय पत्रिकाओं में अभी तक की सबसे अच्छी पत्रिका लगी। इस पत्रिका ने मेवाड़ का गौरव व स्थानीय भाषा का भी मान बढ़ाया। स्थानीय साहित्यकारों को भी इसके जरिए बहुत अच्छा मंच मिल रहा हैं। हमारी शुभकामनाएं..

अनिल पूर्बिया, कांकरोली

राजस्थानी, मेवाड़ी भाषा में जयवर्द्धन में प्रकाशित आलेख काफी रोचक और आमजन के लिए प्रेरक है। यह पुस्तक हर गांव व ढाणी से लेकर प्रबुद्धजनों के लिए भी एक अनूठा मंच है। इतिहास, अपराध, स्वास्थ्य, अध्यात्म, रोजगार व साहित्यिक दृष्टि से भी समग्र पहलुओं को शामिल किया गया है। इसमें हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। इस तरह की पुस्तक की राजसमंद को बहुत जरूरत थी, तो वर्षों बाद अब जयवर्द्धन मासिक पत्रिका ने पूरी कर दी। इससे पीड़ित व आहत की आवाज भी बुलंद होगी और शहर व देहात के विकास में भी कई मायने में यह पुस्तक कारगर सिद्ध होगी।

दिनेश पहाड़िया,
सह संयोजक दलित आदिवासी एवं घूमंतू अधिकार

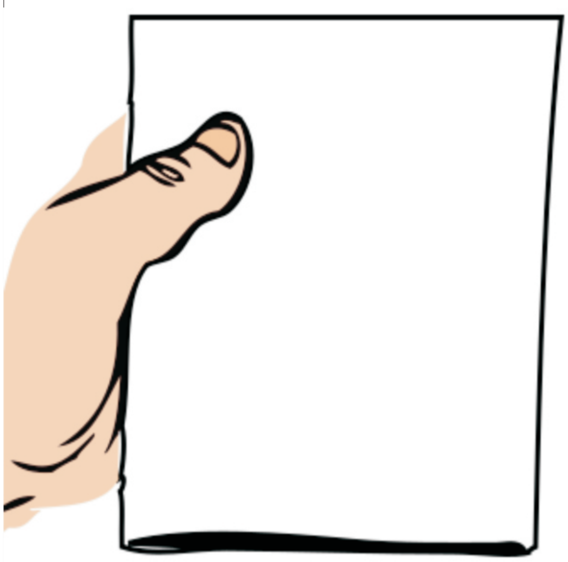

यह पेज पाठकगणों को समर्पित है

इस पत्रिका को बेहतर बनाने का हमने काफी प्रयास किया हैं, मगर आपके सुझाव आवश्यक हैं। आपकी प्रतिक्रियाएं हम इस कॉलम में प्रकाशित करेंगे, कृपया अवश्य भेजें।

कार्यालय पता : शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट, कांकरोली, जिला राजसमंद
Email : jaivardhanpatrika@gmail.com

सभी तरह के अभ्यर्थियों हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत
Pradhan Mantri Kaushal Kendra

N·S·D·C
National Skill Development Corporation

NIFA

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा भारत सरकार की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना कार्यक्रम के तहत

राजसमन्द जिले का एक मात्र कौशल केन्द्र

प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र

के अग्रलिखित कोर्सेज में प्रवेश प्रारम्भ

कोर्स का नाम	अवधि दिन में	योग्यता	आयु सीमा
सिलाई मशीन ऑपरेटर	3	8वीं	18 से
असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन	से	से	35
मोबाईल हेंडसेट रिपेयर	6	12वीं	वर्ष
फ्रुड एण्ड बेवरेज	माह	पास	
रिटेल सेल्स एसोसिएट			

कम्प्यूटर बेसिक, पर्सनलटी डवलपमेंट, स्पोकन इंग्लिश की निःशुल्क कक्षाएँ

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

मुखर्जी चौराहा, आचार्य निरंजनाथ स्कूल परिसर, एरिगेशन रोड, कांकरोली जिला राजसमंद

पीएमकेके के कोर्सेज आपके लिए नई शुरुआत के साथ भविष्य में रोजगार के अवसरों की उपलब्धता को भी बढ़ायेंगे।

Now **Aakash** Coaching Comes to Your Computer!

Option 1: Study Online
Live Online Classes
By Expert Aakash Faculty
Aakash Live
classroom at your home
www.aakashlive.com

Option 2: Without Internet
Recorded Video Lectures
By Expert Aakash Faculty
Aakash iTutor
Learning my way
www.aakashitutor.com

शाईन कम्प्यूटर्स

RS-CIT एक परिपूर्ण कम्प्यूटर कोर्स

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

प्रवेश प्रारम्भ

PGDCA (1 Year), DCA (1 Year) BCA (3 Year), MCA (2 Year)

शास्त्री मार्केट, कांकरोली, जिला राजसमंद
फोन नं. 02952-220469, 9829445469

शीतला माता मंदिर के पास, सदर बाजार राजनगर
जिला राजसमंद मो. 02952-220228, 9929495228

गणतंत्र दिवस

हमारी मातृभूमि भारत लंबे समय तक ब्रिटीश शासन की गुलाम रही जिसके दौरान भारतीय लोग ब्रिटीश शासन द्वारा बनाये गये कानूनों को मानने के लिये मजबूर थे, भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा लंबे संघर्ष के बाद अंततः 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी मिली। लगभग ढाई साल बाद भारत ने अपना संविधान लागू किया और खुद को लोकतांत्रिक गणराज्य के रुप में घोषित किया। लगभग 2 साल 11 महीने और 18 दिनों के बाद 26 जनवरी 1950 को हमारी संसद द्वारा भारतीय संविधान को पास किया गया। खुद को संप्रभु, लोकतांत्रिक, गणराज्य घोषित करने के साथ ही भारत के लोगों द्वारा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रुप में मनाया जाने लगा।

भारत में निवास कर रहे लोगों और विदेश में रह रहे भारतीयों के लिय गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाना सम्मान की बात है। इस दिन की खास महत्वता है और इसमें लोगों द्वारा कई सारे क्रिया-कलापों में भाग लेकर और उसे आयोजित करके पूरे उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। इसका बार-बार हिस्सा बनने के लिये लोग इस दिन का बहुत उत्सुकता से इंतजार करते है। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी एक महीन पहले से ही शुरु हो जाती है और इस दौरान सुरक्षा कारणों से इंडिया गेट पर लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी जाती है जिससे किसी तरह की अपराधिक घटना को होने से पहले रोका जा सके। इससे उस दिन वहाँ मौजूद लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो जाती है।

पूरे भारत में इस दिन सभी राज्यों की राजधानियों और राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में भी इस उत्सव पर खास प्रबंध किया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति दवारा झंडा रोहण और राष्ट्रगान के साथ होता है। इसके बाद तीनों सेनाओं द्वारा परेड, राज्यों की झाकियों की प्रदर्शनी, पुरस्कार वितरण, मार्च पास्ट आदि क्रियाएँ होती है। और अंत में पूरा वातावरण जन गण मन गण से गूंज उठता है।

इस पर्व को मनाने के लिये स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी बेहद उत्साहित रहते है और इसकी तैयारी एक महीने पहले से ही शरु कर देते है। इस दिन विद्यार्थीयों अकादमी में, खेल या शिक्षा के दूसरे क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिये पुरस्कार, इनाम, तथा प्रमाण पत्र आदि से सम्मान किया जाता है। पारिवारिक लोग इस दिन अपने दोस्त, परिवार और बच्चों के साथ सामाजिक स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर मनाते है। सभी सुबह 8 बजे से पहले राजपथ पर होने वाले कार्यक्रम को टीवी पर देखने के लिये तैयार हो जाते है। इस दिन सभी को ये वादा करना चाहिये कि वो अपने देश के संविधान की सुरक्षा करेंगे, देश की समरसता और शांति को बनाए रखेंगे साथ ही देश के विकास में सहयोग करेंगे।

काछबली के बाद अब मंडावर पंचायत में शराबबंदी की हुंकार तेज, 20 जनवरी को तय होगी स्थिति

जिले की पहली ग्राम पंचायत काछबली के वर्ष 2016 में शराब बंदी की मुहिम सफल होने के बाद बरार, बरजाल, थानेटा, ठीकरवास और मंडावर सहित दर्जन भर ग्राम पंचायतों की महिलाएं भी एकजुट होकर शराब बंदी के लिए आवाज बुलंद की। कलेक्टर ज्ञापन देने के बाद हस्ताक्षर सत्यापन में बरार पंचायत पिछड़ गई जबकि मंडावर व बरजाल पंचायत में निर्धारित मापदंड से कई ज्यादा लोगों ने शराब बंदी के लिए हस्ताक्षर किए। इसके बाद हाल जिला प्रशासन द्वारा शराब बंदी के लिए 20 जनवरी 2018 को मतदान की तारीख तय करने के साथ ही पूरे मगरा इलाके में शराब बंदी की हुंकार तेज हो गई हैं।

मंडावर सरपंच प्यारी देवी रावत के नतृत्व में महिला शक्ति एकजुट हो गई हैं तो समाज सेवी जसवंतसिंह ने युवाओं को एकजुट करने की मुहिम छेड़ दी। इधर अणुव्रत समिति राजसमंद के महेंद्र कर्णावट के अलावा काछबली, भीम व देवगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधी भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं। साथ ही नशामुक्ति अभियान अध्यक्ष भंवरसिंह, मोहनसिंह, सुशीलादेवी, नवयुवक मंडल अध्यक्ष गोपालसिंह, रणजीत सिंह, संयोजक लूम्बसिंह, मूलराजसिंह, हरिसिंह, दौलतसिंह, विरदसिंह, सर्कल अध्यक्ष नेतसिंह, पूरणसिंह डूंगावत, उप सरपंच चतरसिंह, पूर्णसिंह, मगरा विकास मंच अध्यक्ष जसवंतसिंह, जयपालसिंह, गौपुत्र के रणजीतसिंह, कैलाशसिंह, रमेशचंद्र, हरिसिंह, ललितकिशोरसिंह, भंवसिंह, मीठूसिंह, पृथ्वीराज सिंह, जीवनसिंह, छगनलाल, राजूराम गमेती, हेमसिंह, महेन्द्रसिंह, बरजाल शराबबंदी संयोजक गिरधारीसिंह, जिला पषिद सदस्य हीरा कंवर चौहा, भगवानसिंह चौहान आदि भी जुट गए हैं।

शराबबंदी की सफल होगी मुहिम

गांव-ढाणी में शराब की लत की वजह से आमजन परेशान है। शराब के दुष्प्रभावों को हर शख्स जान गया है। महिलाएं भी जागरुकत होकर एकजुट हो गई है। **प्यारीदेवी रावत, सरपंच मंडावर**

सप्तम् पुण्यतिथि

आपकी शांत प्रसन्नचित्त छवि, वह सौम्य मधुर व्यवहार,
वह प्रिय मुधर वाणी, एवं दिव्य प्रेरणा,
हर क्षण प्रतिपल दीप की लौ की भांति जागृत रहेगी।

हमारे प्रिय

स्व. श्री मोहनलाल जी पालीवाल

(पूर्व JTO, BSNL राजसमंद निवासी-चारभुजा)

की सप्तम् पुण्यतिथि पर हम
सभी परिवारजन हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

श्रद्धावनत :- समस्त पालीवाल परिवार चारभुजा

-: प्रतिष्ठान :-

● मनोज टेलीकॉम ई-मित्र & RS-CIT सेन्टर
राजसमंद - 9829556410

● नर्बदा टेलीकॉम
चारभुजा - 9929988335

आज री गान्धारी

माडसाब महिपाल जी बस स्टेशन माथे उभा हा, मोटर री उडीक में हा अतराक में एक लुगाई आई अर माड़साब रे धोक दीयो। फेर आपणां टाबरा ने कह्यो था भी सगलां धोक देवो।

माड़साब चकराई गया, आ कुण हैं? म्हारे धोक क्यूं लागी, सागे सात टाबरां री टीम हैं, शायद सगा गिणायत री छोरी व्हेला या म्हारे गांव री जो बेन-बेटी व्हेला। म्हुं इणने शायद भूल ग्यो व्हूंला। क्यूं के आजकाल री छोरियां ब्याव पछे घणी बदल जावे, दुज रां चांद री भांत वाने सासरे अर वे थोड़ा बरसां पछे पूनम रो चांद व्हेर आवे हैं। वणा रो विकास व्हेई जावे, चावे तो काया रो वे, या माया रो वे या भाया रो, विकास तो विकास ही हैं।

वा लुगाई मुलकती बोली माड़साब म्हने ओलखी नी कांई। आप तो म्हारा गुरूजी हो, म्हने हिन्दी भणावत हा अर भाषण देवा री अटकलां सू ओलखाण कराता। आप तो म्हने सामाजिक चेतना री केई कविता देवता, उण कवितावां ने म्हूं माथे गणे- जोर-जोर सूं हाथ पटक-पटक ने बोलती अर सभा मायं सू तालियां बाजती। पूरो स्कूल गुंजवा लागतो। आप अर प्रिन्सीपल साहब अर सभा रा अध्यक्ष, मुख्य अतिथि म्हने घण साताशी देवता, ईनाम, इकरार तो मोकला मोटा-मोटा मनखां रा हाथां सू लिधा। आप तो जाणों हीज कै म्हारे स्पीच रो खास विषय बर्थ कंट्रोल, परिवार नियोजन रेवतो। आप सगला म्हने स्कूल सूं विदाई री वखत कह्यो कि आ छोरी समाज में नुवी क्रांति लावला एक दीवलो वण ने उजास करेला। म्हे तो संकल्प दिरावती के परिवार-नियोजन ही ज देशभक्ति हैं। आपणी जिम्मेदारी हैं कि पोप्युलेशन कंट्रोल करां अर हम दो हमारे एक राखणों पड़ेगा। अबे तो आप म्हने ओलख लीधी व्हेगा। म्हुं जुनागढ़ गांव री गायत्री हूं। अबार एक बरस पेला म्है म्हारो नाम पलट लिधो अर गांधारी नाम रख लिधो हैं। माड़साब सोचता ही रेई ग्या। वणा री आंखा रे सामै स्कूल मायं फुंदी री भांति फरती वा गायत्री एक चलचित्र री भांत घूमवा लाग गी। माड़साब ने वे सबद, व कौल याद आवा लागा जौ गायत्री कीधा हा। अर पन्द्रा सोला बरस पेला व्हेन स्कूल सू विदा कीदी ही।

माड़साब मन काटो करी ने बोल्या बोल गायत्री यो कांई थारे कनै या 14 बरस री टाबरी थारी, ज बेटी हैं, इण रे अड़े-भड़े तीन टाबरिया ये भी थारीज लागे हैं। और खांदा माथे टाबरी अर आंग्ली पकड्या उभी या छोरी रोय री हैं। ने गोद मायं नान्हों सो यो छोरो हैं कांई?

गायत्री, गांधारी वण र बोली म्हारा माड़साब गुरूजी आप ने कांई बताऊ आदर्श री वातां अर हकीकत मायं घणों फरक व्हे हैं। ज्युं-ज्युं जिन्दगी बढ़े, त्युं-त्युं पतो लागे के बाल पणां रो मन वास्तविकता सूं कितरो दूरो हैं। म्हारे एक, दो, तीन, चार, पांच छः छोरियां व्हेती गई। म्हारा माँ-बाप सास-ससुर अर, घरवाला भी एक भाया री आस राखता रह्या। म्हने समाज रा कानून-कायदा अर परिवार रो दीपक चावै। अस्या उदाहरण मायं भरमाई दीदी ने म्हुं सगली वातां तो गलो घोंट म्हारा कुल रे वास्ते एक दीपक री आस मायं आज इण हालत मांय आपरे सामे हूं।

नारायणसिंह राव 'निराकार'
कवि एवं साहित्यकार, आईडाणा राजसमंद
मो. 94134-23585

नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की
समस्त जिलेवासियों
को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
कालुसिंह दसाणा
उपाध्यक्ष -भारतीय जनता युवा मोर्चा मण्डल ओलादर
मातेश्वरी ट्रेडर्स
कुंवारिया, तहसील गढ़बोर, पंचायत समिति कुंभलगढ़,
जिला-राजसमंद Mob. 9784419333, 9571868880

भीम-देवगढ़ विधानसभा के समस्त
निवासियों को
नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
डॉ. विक्रमपालसिंह काछबली
मो. 8829970251, 8829980251
संस्थापक प्रमुख- मगरा शक्ति सेना, राजस्थान

जितेन्द्र लढ़ा
सुनिता लढ़ा

जिले में ई-गवर्नेन्स सेवाओं हेतु राजस्थान सरकार द्वारा राज्यस्तर पर सम्मानित

विनय कम्प्यूटर्स

जिला परिषद के पास, 100 फीट रोड़, राजसमन्द

Mo. 9414677357
7737574175

Software/Web Development, Trademark, ISO, Digital Sign, GST/Firm registration, RIICO/Mining applications, Bulk massaging, FASTAG registration, Money transfer, Online payments, Bill payments, Recharges, Bus/Flight Ticket, Laptop/Desktop available.

CSC
e-GOVERNANCE SERVICES INDIA LIMITED

कॉमन सर्विस सेन्टर

e-mitra

जिले में अधिकृत एकमात्र
एक्सक्लुजिव डिस्ट्रीब्युटर

vodafone m-pesa

ग्राहक सेवा केन्द्र

SBI

जिला कार्यालय

आचार्य
TECHNOLOGIES
राजस्थान सरकार द्वारा चयनित LSP

राजसमन्द जिले में कहीं भी ई-मित्र/बैंक बीसी/ RS-CIT सेन्टर लेने, m-pesa एजेन्ट बनने हेतु सम्पर्क करें।

विशेष ध्यान दे - कोई भी बिल जमा करवाने पर अथवा खाते में नकद जमा करवाने या निकासी पर तुरन्त कम्प्युटर प्रिन्टेड रसीद अवश्य प्राप्त करें।

अपनाये ! समय व ईधन दोनों बचाये, साथ ही टोल में भी कैशबैक पायें!

अब बिना बैंक खाता-पाये एटीएम कार्ड तुरन्त

अपनाये केशलैस और हो जाये डिजीटल

- इस एटीएम कार्ड से कभी भी, कहीं भी भुगतान करें।
- किसी भी खाते में रुपये ट्रांसफर करें।
- सभी प्रकार के रिचार्ज स्वयं करें।
- रेल, बस, विमान, सिनेमा आदि के टिकिट बुक करें।
- सभी प्रकार के ऑनलाईन भुगतान करें।
- टोल/पेट्रोल पम्प पर भुगतान करें।
- किसी भी दुकान पर भुगतान करें।
- मात्र 2 सेकण्ड में, बहुत ही आसानी से साथ ही पाये, आकर्षक ऑफर्स हर भुगतान पर।